हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 356 | शनिवार 19 अप्रैल 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

पहले खुद के गिरेबां में झांक लो,फिर दिखाओ आईना

- बंगाल हिंसा पर ज्ञान दे रहे बांग्लादेश को भारत की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर बांग्लादेश की टिप्पणी पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश को फटकार लगाते हुए कहा है कि पड़ोसी देश को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए जहां जघन्य अपराधों के दोषी आजाद घूम रहे हैं। बता दें कि बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के विरोध में हुई हिंसक झड़पों ने राज्य में तनाव बढ़ा दिया है। इन प्रदर्शनों के दौरान कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। हिंसा के बाद केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए तैनात किया गया है। इस बीच, बांग्लादेश के अधिकारियों द्वारा पश्चिम बंगाल की घटनाओं पर की गई टिप्पणियों को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। बांग्लादेश ने भारतीय अधिकारियों से अशांति से प्रभावित अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदायों की रक्षा करने का आह्वान किया था।

अधर में लटकी कर्नाटक की जाति जनगणना

- अभी जारी नहीं होंगे नतीजे,2 मई को अगली बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने जाति जनगणना (सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण) के नतीजों को स्वीकार करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। गुरुवार को आयोजित विशेष मंत्रिमंडल बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। अब इस मामले पर अगली चर्चा 2 मई को होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में होगी। कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने सर्वेक्षण के तकनीकी विवरण और अतिरिक्त जानकारी की मांग की है, जिसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 2 मई की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। पाटिल ने कहा,चर्चा अधूरी रही, लेकिन यह सौहार्द्रपूर्ण थी। हमने विभिन्न समुदायों की जनसंख्या, उनके पिछड़ापन और अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रमुख समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों को लेकर उठाए गए विवाद इस चर्चा का हिस्सा नहीं थे। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मंत्रियों से सर्वेक्षण पर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा गया है, ताकि अगली बैठक में इन पर विचार किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों के बीच खुले तौर पर चर्चा के लिए तैयार न होने के कारण सिद्धारमैया ने सभी की राय सुनने और सर्वेक्षण के सभी समुदायों के लिए लाभकारी होने की बात पर जोर दिया।

1700 शिकायतें मिलने के बाद बनाया है नया कानून

वक्फ ऐक्ट पर पीएम ने कहा-मुस्लिमों से ही हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 सैकड़ों शिकायतों के बाद लाया गया है, जिनमें मुस्लिम समुदाय के लोगों, विशेष रूप से महिलाओं और विधवाओं की प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने कहा कि पुरानी व्यवस्था में उत्पीड़न का शिकार हुए लोगों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री ने यह बात दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने बताया कि 2019 में दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें विभिन्न मुस्लिम समुदायों से वक्फ संपत्तियों को लेकर 1700 से अधिक शिकायतें मिली थीं, जिससे सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना पड़ा।

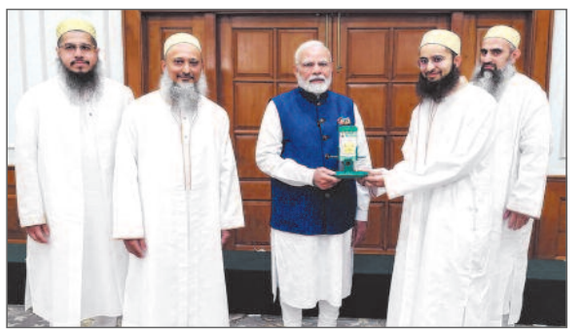

पीएम मोदी ने कहा, नया कानून इन शिकायतों का जल्द समाधान करेगा और सबसे गरीबों का आशीर्वाद मिलेगा। मैं पहले से ही उन पीड़ितों के लिए लड़ रहा हूं, विशेष रूप से विधवाओं के लिए जिन्हें पुराने कानूनों ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। हमारा लक्ष्य उन्हें न्याय दिलाना है। प्रधानमंत्री ने दाऊदी बोहरा समुदाय के साथ अपने पुराने संबंधों का उल्लेख करते हुए उनकी समाजसेवा की परंपरा और इस अधिनियम में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस कानून पर उनकी शुरुआती चर्चाओं में सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला, जिसने इस विधेयक को आकार देने में अहम भूमिका निभाई।

कई जगह वक्फ कानून को लेकर भारी विरोध

हालांकि, वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर देश के कुछ हिस्सों में विरोध भी देखने को मिला है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कानून को 'मुस्लिम विरोधी' करार देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि यह कानून देश को बांटने वाला है और इसे लागू नहीं करना चाहिए। दूसरी ओर, उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कानून का स्वागत करते हुए कहा कि यह वक्फ संपत्तियों से अमीर और प्रभावशाली मुस्लिमों द्वारा किए गए अतिक्रमण को खत्म करेगा। सुप्रीम कोर्ट में इस कानून की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने विशेष रूप से 'वक्फ-बाय-यूजर' श्रेणी को हटाने, गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्ड में शामिल करने और संपत्ति के स्वामित्व का निर्धारण करने के लिए राज्य को दी गई शक्तियों पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल उच्चतम न्यायालय ने पांच मई तक 'वक्फ बाय यूजर' समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं करने का निर्देश दिया है।

तलाशी के दौरान रोका तो छीनने लगा हथियार

- जम्मू-कश्मीर के राजौरी में युवक की जवानों संग झड़प

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सेना के जवानों के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। इंडियन आर्मी की ओर से बताया गया, सेना को आतंकवादियों की संभावित गतिविधियों की सूचना मिली थी जो इस संवेदनशील इलाके में एक गाड़ी में घूम रह थे। इसके तुरंत बाद, तलाशी अभियान शुरू किया गया। शुरुआती जानकारी से पता चला कि रोकने पर एक व्यक्ति ने ड्यूटी पर तैनात सैनिकों के हथियार छीनने की कोशिश की। इस दौरान उनके साथ झड़प हो गई। सेना का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। अगर कोई व्यक्ति गलत आचरण का दोषी पाया जाता है, तो मौजूदा कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुछ दिनों पहले, कठुआ में हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया था। एक अधिकारी ने बताया,पिछले एक महीने में कठुआ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच 4 मुठभेड़ हुई हैं। राजबाग मुठभेड़ से हथियार, गोला-बारूद और अन्य युद्ध जैसे भंडार के अलावा मादक पदार्थ बरामद हुए। इससे यह स्पष्ट हो गया कि आतंकवादियों ने बड़ी योजना बनाई थी। गौरतलब है कि मुठभेड़ में 2 आतंकवादी मारे गए जबकि जम्मू-कश्मीर पुलिस के 4 जवान भी शहीद हो गए थे।

स्टालिन का अमित शाह पर निशाना, कहा- दिल्ली के सामने नहीं झुकेगा तमिलनाडु, हम कंट्रोल से बाहर...

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि नीट, तीन-भाषा पॉलिसी, वक्फ संशोधन कानून और परिसीमन जैसे मुद्दों पर सवाल उठाना ध्यान भटकाने की कोशिश नहीं, बल्कि राज्यों के अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने अमित शाह को चुनौती देते हुए कहा कि अगर डीएमके वास्तव में ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है, तो अमित शाह को इन मुद्दों पर तमिलनाडु की जनता को स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

स्टालिन ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कहा कि चाहे वह नीट हो या तीन-भाषा नीति, या फिर वक्फ कानून संशोधन और परिसीमन का मसला इन सभी पर सिर्फ हम ही मुखर हैं। क्या राज्यों के अधिकारों की मांग करना गलत है? उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के राज्यों के अधिकारों की बात कर रहा है। स्टालिन ने कहा कि सिर्फ अमित शाह ही नहीं, बल्कि कोई भी शाह तमिलनाडु पर राज नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि कहा तमिलनाडु दिल्ली के कंट्रोल से बाहर है। साथ ही कहा कि हम आपके द्वारा कानूनी रूप से पैदा की गई सभी बाधाओं को तोड़ देंगे।

2026 में केवल द्रविड़ मॉडल की सरकार बनेगी

कार्यक्रम के दौरान सीएम स्टालिन ने कहा कि अमित शाह कहते हैं कि वे 2026 में यहां सरकार बनाएंगे, लेकिन मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि तमिलनाडु दिल्ली के सामने नहीं झुकेगा। छापेमारी करने, पार्टियों को तोड़ने और सरकार बनाने का आपका फॉर्मूला तमिलनाडु में काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि 2026 में केवल द्रविड़ मॉडल की सरकार बनेगी, हम दिल्ली के लिए हमेशा नियंत्रण से बाहर हैं। क्या आप (बीजेपी) यहां किसी को धमकाकर और गठबंधन बनाकर जीत सकते हैं? आप जिसे लाने चाहें ला सकते हैं, हम भी देखते हैं। स्टालिन ने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि आपने तमिल का अपमान कैसे किया? क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिल को असभ्य नहीं कहा था और क्या इसके लिए उन्होंने माफी नहीं? इससे पहले एक अन्य केंद्रीय मंत्री ने तमिल को बम विस्फोटों में शामिल बताया और क्या माफी मांगी? क्या आपने (अमित शाह) और प्रधानमंत्री ने ओडिशा में ये नहीं कहा था कि पुरी जगन्नाथ मंदिर की चाबियां चुरा ली गई हैं और तमिलनाडु में छिपा दी गई हैं? स्टालिन ने कहा कि आपने फूट डालो और राज करो नीति अपनाई। जबकि एक तमिल आईएएस अधिकारी नवीन पटनायक के साथ थे और पूछ रहे थे कि तमिल कैसे ओडिशा पर शासन कर सकता है?

हम झुकने वाले गुलाम नहीं

तमिलनाडु के सीएम ने कहा कि आप अपने गठबंधन में बिना आत्मसम्मान वाले लोगों और विश्वासघातियों का उपयोग करके शासन करना चाहते हैं, लेकिन इतिहास पढ़ें, हमारी भूमि आत्मसम्मान, बहादुरी और गौरव से भरी हुई है। हम जानते हैं कि आप हमें धमकाने के लिए क्या-क्या इस्तेमाल करेंगे, लेकिन हम झुकने वाले गुलाम नहीं हैं।

नेशनल हेराल्ड मामला: अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर लगाए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 18 अप्रैल (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेशनल हेराल्ड अखबार मामले में कांग्रेस पार्टी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। इसे कांग्रेस का 'भ्रष्टाचार मॉडल' करार दिया।

सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने 90 करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर यंग इंडियन कंपनी को मात्र 50 लाख रुपये में ही 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति हस्तांतरित कर दी। ठाकुर ने सवाल उठाया कि क्या कोई राजनीतिक दल इस तरह कर्ज दे सकता है और अगर कर्ज दिया गया तो क्या उस पर ब्याज लिया गया?

ठाकुर ने कहा कि नेशनल हेराल्ड, जो पहले एक दैनिक अखबार था, अब नियमित रूप से प्रकाशित नहीं होता। फिर भी, कांग्रेस शासित राज्यों की सरकारें इसे भारी मात्रा में विज्ञापन दे रही हैं। उन्होंने अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि बड़े दैनिक अखबारों को कम राशि मिलती है, जबकि नेशनल हेराल्ड को ÷चांदी के सिक्के' दिए जाते हैं। उन्होंने पूछा, 'क्या यह अखबार कांग्रेस का एटीएम बन गया है?'

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट का हवाला देते हुए ठाकुर ने कहा कि इसमें अपराध की तारीख, समय, स्थान और लेनदेन से जुड़े तथ्य दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित राज्य जनता के टैक्स के पैसे से नेशनल हेराल्ड को विज्ञापन के रूप में धन दे रहे हैं। दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और अन्य शहरों में अखबार को सब्सिडी दरों पर दी गई अरबों रुपये की संपत्तियों का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इनका किराया उचित रूप से लिया जा रहा है या यह भी फर्जी है?

ठाकुर ने कांग्रेस पर वादाखिलाफी का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने न महिलाओं को वादा किया पैसा दिया, न कर्मचारियों को डीए की किश्त, और न ही गोबर या दूध खरीदने के वादे पूरे किए। फिर भी, नेशनल हेराल्ड को विज्ञापन के लिए धन देने में कोई कमी नहीं की जा रही। उन्होंने यंग इंडियन कंपनी पर निशाना साधते हुए कहा कि इसमें कांग्रेस के दो पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों की 76 फीसदी हिस्सेदारी है।

ठाकुर ने पूछा कि अगर कर्ज माफ करना ही था, तो नेशनल हेराल्ड की मूल कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) का कर्ज क्यों नहीं माफ किया गया? उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 1000 से अधिक शेयरधारकों के हितों का क्या हुआ? ठाकुर ने मांग की कि जनता को बताया जाए कि कांग्रेस शासित राज्यों ने नेशनल हेराल्ड को कितना और कब-कब विज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि एक गैर-नियमित अखबार को इतना विज्ञापन देना और दैनिक अखबारों को कम राशि देना कांग्रेस के 'भ्रष्टाचार मॉडल' को दर्शाता है।

भारतीय छात्रों का वीजा रद्द, क्या जयशंकर मार्को रूबियो के सामने यह मुद्दा उठाएंगे

-कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश का सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बताया कि अमेरिकी आव्रजन अधिवक्ता संघ (एआईएलए) का दावा चिंताजनक है कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के वीजा निरस्तीकरण मामलों में 50 फीसदी भारतीय छात्रों से जुड़े हैं।

कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि क्या विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रूबियो के साथ बातचीत में इस मुद्दे को उठाएंगे?

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया,''अमेरिकी आव्रजन अधिवक्ता संघ द्वारा जारी किया गया बयान भारत के लिए चिंता का विषय है। संगठन द्वारा अब तक एकत्र किए गए अंतरराष्ट्रीय छात्रों के 327 वीजा रद्द मामलों में से 50 प्रतिशत छात्र भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि वीजा रद्द करने के कारण असंगत और अस्पष्ट हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने पूछा कि क्या विदेश मंत्री मामले को संज्ञान में लेकर अपने अमेरिकी समकक्ष के सामने यह मुद्दा उठाएंगे? विदेश मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका में स्थित भारतीय मिशन वीजा रद्द करने संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे भारतीय छात्रों के साथ लगातार संपर्क में हैं और उन्हें यथासंभव सहायता प्रदान कर रहा है।

बनाई नई रणनीति: बांग्लादेश के नफरत को प्रेम से जीतेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के नए आका मोहम्मद यूनुस भारत संग दुश्मनी निभाने का कोई कसर नहीं छोड़ रहे। बांग्लादेश लगातार भारत विरोधी चाल चल रहा है। कारोबार को लेकर भी बांग्लादेश तेवर दिखा रहा है। दूसरी ओर वह पाकिस्तान संग गलबहियां करने की कोशिश में जुटा है। भारत के लिए यह चिंता का सबब बना हुआ है। बावजूद इन सबके भारत बड़ा दिल दिखाएगा। वह बांग्लादेश को जैसे को तैसा वाली नीति से जवाब नहीं देगा। सूत्रों का कहना है कि भारत सरकार ने संकेत दिए हैं कि अभी वह बांग्लादेश पर कोई जवाबी कार्रवाई नहीं करेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत को ढाका में कारोबार को लेकर दिख रहे विरोधी तेवरों पर चिंता है। हालांकि, भारत फिलहाल 'जैसे को तैसा' वाली नीति पर नहीं चलेगा। भारत संग कारोबारी रिश्ता खराब करने की कोशिश के बीच बांग्लादेश का पाकिस्तान के प्रति प्रेम भी बढ़ रहा है। एक तरफ जहां अंतरिम सरकार भारत के साथ व्यापार सीमित करने की सोच रही है,

वहीं दूसरी ओर उसने पाकिस्तान के साथ सीधा व्यापार फिर से शुरू कर दिया है। बांग्लादेश फरवरी में ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान के जरिए पाकिस्तान से 50,000 टन चावल खरीदने को राजी हुआ था। पाकिस्तान के साथ ढाका के संबंधों का फिर से शुरू होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। भारत पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद का केंद्र मानता है। माना जा रहा है कि शुरुआत में पाकिस्तान बांग्लादेश को अपने निर्यात को बढ़ावा देने के मौके तलाश रहा है। दशकों बाद दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय संपर्कों में जबरदस्त तेजी आई है। पाकिस्तान की विदेश सचिव आयशा बलोच गुरुवार को ढाका के दौरे पर जाने वाली हैं और अगले हफ्ते विदेश मंत्री इसहाक डार ढाका जाएंगे। ऐसे में भारत की भी नजर रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से पूछा- दरगाह गिराने का नोटिस आया तो तत्काल सुनवाई क्यों नहीं हुई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। धार्मिक स्थल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया है। देश शीर्षस्थ न्यायालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट से पूछा कि दरगाह गिराने का नोटिस आया तो तत्काल सुनवाई क्यों नहीं हुई? स्पष्टीकरण मांगते हुए पूछा कि नासिक नगर निगम द्वारा सतपीर दरगाह के खिलाफ जारी विध्वंस नोटिस को चुनौती देने वाली याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध क्यों नहीं किया गया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने कहा कि धार्मिक संरचना के विध्वंस की आशंका के कारण यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस देरी पर नाराजगी जताते हुए कहा, हमें समझ नहीं आ रहा कि 9 अप्रैल से अब तक क्या हुआ। याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि वे हर दिन मामले को सूचीबद्ध करने की कोशिश कर रहे थे। कोर्ट ने इस असामान्य स्थिति के कारण विध्वंस पर रोक लगाने का असाधारण कदम उठाया। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को रिट याचिका की लिस्टिंग के बारे में एक रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया कि वे इस याचिका की सूचीबद्धता के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को निर्धारित की गई है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि विध्वंस जैसे मामलों में तत्काल सुनवाई जरूरी होती है, क्योंकि देरी से अपूरणीय क्षति हो सकती है।

क्या थी याचिका? सतपीर दरगाह नासिक के काठे गली क्षेत्र में स्थित है। यह लंबे समय से विवादों के केंद्र में रही है। नासिक नगर निगम ने 1 अप्रैल 2025 को इस धार्मिक संरचना को अनधिकृत घोषित करते हुए विध्वंस नोटिस जारी किया था। इसके खिलाफ दरगाह के पक्षकारों ने 8 अप्रैल को बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी और 9 अप्रैल से इसे तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की कोशिश की थी। हालांकि, याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट ने इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया, जिसके कारण उन्हें शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा।नासिक नगर निगम ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए बुधवार तड़के सतपीर दरगाह को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान काठे गली क्षेत्र में हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए और तीन पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक के अनुसार, दरगाह के ट्रस्टी मंगलवार रात से ही संरचना को हटाने की प्रक्रिया में शामिल थे, लेकिन उस्मानिया चौक से एक भीड़ ने पुलिस और

स्थानीय नेताओं पर पथराव शुरू कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा। पुलिस ने इस हिंसा के सिलसिले में 15 लोगों को हिरासत में लिया है और प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। क्षेत्र में स्थिति अब शांत लेकिन तनावपूर्ण बताई जा रही है।

संकट मोचन संगीत समारोहः हरि की बांसुरी ने विश्वंभर के पखावज को रिझाया

महावीर का आंगन बना मधुबन

वाराणसी , एजेंसी। संकट मोचन का आंगन तब मधुबन बन गया, जब हरि की बांसुरी कान्हा बनकर विश्वंभर की पखावज रूपी राधा को रिझाने लगी। श्रोता-श्रद्धालु ग्वाल बाल जैसे इस पल के आनंद में डूब गए। इसी भाव के साथ बुधवार को 7:50 बजे 102वें साल के छह दिवसीय संकट मोचन संगीत समारोह का आह्वान हो गया। महावीर के दरबार में सबसे पहले बांसुरी पर राग विहाग गूंजा तो परिसर भर में फैले भक्तों का जमघट आंगन में लग गया।

पखावज की डिमडिमाहट और बांसुरी की धुन में एक खास संवाद चल रहा था, जिसे सुधि श्रोताओं ने बड़े चाव से महसूस किया। पूरे मंदिर परिसर में गूंज रही पं. हरिप्रसाद चौरसिया के बांसुरी की धुन और आलाप लोगों को मंदिर की ओर तेजी से खींच लाई।

प्रस्तुति के दौरान पं. हरि प्रसाद ने तीन बार बांसुरी भी बदली। उनके होठों के कंपन भी सुर बन जा रहे थे। अंत में ओम जय जगदीश हरे... की धुन बजाई तो विदेशी श्रोता भी ताली बजाकर झूमने लगे। समापन के बाद श्रोताओं ने ऊंचे स्वर में हर-हर महादेव का जयघोष कर आभार जताया। दोनों वादकों के साथ बांसुरी पर विवेक सोनार और वैष्णवी जोशी ने मनोहारी संगत की।

पढ़ाई काम आए न आए संगीत काम की चीजः पं. हरिप्रसाद चौरसिया ने कहा कि मैं अगले 200 वर्षों तक यहां पर प्रस्तुति दूंगा। यहां कब से आ रहा हूं ये तो याद ही नहीं है। जीवन में कुछ करें न करें, लेकिन संगीत से नाता जरूर रखें। जीवन में पढ़ाई भले ही काम न आए, लेकिन संगीत और संगत काफी काम आएगा।

संगीत ने ही आज 87 वर्ष की उम्र में मुझे युवा बनाकर रखा है। आज एआई के जमाने में जो संगीतकार पैसे वाले हैं, वो मशीनें भी खरीद लेते हैं और बड़े उपकरण मंगा लेते हैं। गरीब संगीतकारों को आगे नहीं बढ़ाते। हालांकि, एआई से संगीत को फायदा होता दिख रहा है।

नहीं जानता क्या है आज की संगीत विधाः पं. हरिप्रसाद ने कहा कि आज की संगीत विधा को मैं नहीं जानता, जो बचपन से सुना है वही मालूम है। हमारी परंपरा तब तक चलेगी जब तक सूर्य निकलेगा। मेरी पूरी भक्ति यहां पर है। बनारस की तरह से कलाकार पूरे ब्रह्मांड में नहीं है। यहां के मंच में जादू सा है।

शकील बदायूंनी और पंकज उधास की गजल से खुली नींदः आधी रात में जब श्रोताओं की नींद से आंख भारी होने लगी तो छह कलाकारों के साथ चौथी प्रस्तुति लेकर पहुंचे पं. अजय पोहनकर की अलाप और धारा प्रवाह सरगम सुन श्रोता जाग उठे। अजय पोहनकर ने ख्याली आलाप के बाद ध्रुपद अंग में प्रभावी आलाप पर सुर लगाया।

राग आभोगी में ख्याल गायन किया तो दर्शकों की तालियां रुकने का नाम नहीं ले रही थीं। तभी उन्होंने शकील बंदायूनी की लिखी गजल ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया... और पंकज उधास की गजल कैसे बीते दिन-रात प्रभु जी... की प्रस्तुति देकर लोगों को अपना मुरीद कर लिया। तबले पर हारमोनियम पर दिल्ली की पारोमिता मुखर्जी, सारंगी पर गौरी बनर्जी और कोलकाता के समर साहा ने बेजोड़ संगत की।

महंत बोले-हरिप्रसाद के सामने हवा खराब हो गईः प्रस्तुति के बाद महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्रा ने कहा कि पंडित जी के साथ पखावज बजाने में मेरी हवा खराब हो गई। इस पर पं. हरिप्रसाद ने कहा कि आज मैं महंत जी की वजह से नर्वस था। मुझे साथ में बांसुरी बजाने का हौसला देने के लिए धन्यवाद।

कभी बनीं मीरा तो कभी मइया यशोदाः संगीत समारोह की दूसरी प्रस्तुति भरतनाट्यम भी भगवान बाल-गोपाल को ही समर्पित रही। बंगलूरू की नृत्यांगना जननी मुरली ने भरतनाट्यम से गंगा स्तुति की। हरि तुम हरो जन की पीर... गीत पर भरतनाट्यम पर जननी कभी यशोदा तो कभी मीरा नजर आईं।

कन्हैया के नटखटपन पर कभी गुस्सा तो कभी वात्सल्य की झलक दिखलाई। संत पुरंदरदास की एक रचना पर नृत्य करने के बाद महाकाल को समर्पित बंदिश से शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति को खत्म किया।

300 सेकंड तक न तबले से हाथ हटे, न संतूर सेः तीसरी प्रस्तुति बनारस घराने के तबला और डोगरा परिवार के संतूर की जुगलबंदी के नाम रही। अमिताभ बच्चन और जाकिर हुसैन के साथ जय हनुमान जैसे लोकप्रिय भजन में संतूर की आवाज से लोहा मनवा चुके पं. राहुल शर्मा ने संतूर पर राग झिंझोटी की धुन पेश की। लगातार 300 सेकेंड तक न तो तबले से हाथ हटे और न ही संतूर से। उनके साथ तबले पर संगत कर रहे बनारस घराने के पं. रामकुमार मिश्र ने बखूबी साथ दिया।

विख्यात संतूर वादक पं. शिव कुमार शर्मा के बेटे पं. राहुल शर्मा ने राग झिंझोटी में आलाप, जोड़ और झाला का वादन कर श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। आरोह-अवरोह के बीच ऐसा लगा कि हाथ से तार छूट जाने के बावजूद भी संतूर की मधुर ध्वनि आ रही हो। रूपक ताल में एक और तीन ताल की दो रचनाओं को बजाया। अंत में पहाड़ी धुन के साथ अपनी प्रस्तुति को पूरा किया।

कला दीर्घा में सबसे महंगी सवा तीन और ढाई लाख की पेंटिंगः संगीत समारोह का खास आकर्षण बगीचे की कला दीर्घा रही। यहां पर 400 से ज्यादा अद्भुत तस्वीरें देखने को मिलीं। सबसे महंगी पेंटिंग सवा तीन लाख रुपये की है। इसे स्तुति सिंह ने उकेरा है।

दूसरी सबसे महंगी पेंटिंग 2.50 लाख रुपये की है। इस पेंटिंग में अलग-अलग रंगों से हनुमान जी के कॉस्मिक पॉवर यानी ब्रह्मांडीय शक्ति उकेरी गई थी। आर्टिस्ट अजय उपासनी ने हनुमान जी की ऊर्जा को रंगों में उकेरा था।

संक्षिप्त समाचार

आगरा में दलित युवक की बरात रोकी...बरातियों से मारपीट

आगरा , एजेंसी। आगरा के एत्मादपुर के गढ़ी रामी में दलित युवती की छलेसर के एक मैरिज होम में आ रही बरात को क्षत्रिय समाज के लोगों ने जबरन रोक दिया। आरोप है कि दूल्हे को कॉलर पकड़कर नीचे उतार लिया। सोने की चेन खींच ली, गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से लेस आधा दर्जन लोगों ने मारपीट करना शरू कर दिया। घटना में कुमरपाल व अजय घायल हो गए। सूचना पर स्थानीय पुलिस पहुंच गई।

गढ़ी रामी (नगला तल्फी) निवासी दलित अनीता देवी की बेटी की बारात मथुरा थाना गोवर्धन के गांव जिखिन से आई थी। आरोप है मैरिज होम में बरात चढ़ने जा रही थी तभी क्षत्रिय समाज के लोगों ने डीजे की तेज आवाज कहकर बरात को रोक दिया। उसके बाद दूल्हे को कालर पकड़कर नीचे उतार लिया। विरोध करने पर बरातियों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। बरात में शोर-शराबा सुन गांव के अन्य आधा दर्जन लोग भी लाठी और डंडे लेकर आ गए। मारपीट में बरात पक्ष के दो लोग घायल हुए हैं। जिनका पुलिस द्वारा मेडिकल परीक्षण कराया गया है। दलित युवती की मां अनीता देवी ने थाना एत्मादपुर में अजीत तोमर, अमन तोमर पुत्रगण मनोज तोमर, सौरभ तोमर पुत्र प्रदीप, प्रदीप पुत्र जगदीश तोमर, प्रदीप पुत्र वीरेश, अंकित पुत्र दलवीर संजय पुत्र महावीर, सचिन, अजय व अन्य अज्ञात 20 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर तहरीर दी है।

आंगनबाड़ी भर्तीः बरेली में रिश्वत लेने का आरोपी सीडीपीओ निलंबित, नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से लिए थे रुपये

बरेली , एजेंसी। बरेली में बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) कृष्ण चंद्र को शासन ने बुधवार शाम को निलंबित कर दिया। सीडीपीओ का रुपये लेते हुए वीडियो और शिकायतीपत्र मिलने पर डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) से इसकी जांच कराई। प्रारंभिक जांच में आरोप पुष्ट होने पर सीडीओ ने सीडीपीओ के निलंबन की संस्तुति करते हुए अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी थी।

जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 301 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों की लिस्ट जारी होने के बाद प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे थे। अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक पर आरोप लगाते हुए शिकायतें हुईं। पहले अधिकारियों ने चयन प्रक्रिया को सही बताते हुए पल्ला झाड़ लिया था। इसी बीच में सीडीपीओ कृष्ण चंद्र का आंगनबाड़ी पद पर भर्ती कराने के नाम पर रुपये लेने का मामला डीएम रविंद्र कुमार के पास आया। डीएम ने सीडीओ जगप्रवेश को जांच सौंपी। सीडीओ के मुताबिक, सीडीपीओ कृष्ण चंद्र ने आंगनबाड़ी पद पर चयन करने के लिए रुपये की मांग की थी। 1.65 लाख रुपये में मामला तय हुआ। एक कार में आवेदक वीरवती द्वारा यह धनराशि दे भी दी गई। इसी बीच दूसरी अभ्यर्थी आशा ने सीडीपीओ को ढ़ाई लाख देने की बात कही।

ऐसे में सीडीपीओ ने वीरवती के आवेदन में जान-बूझकर त्रुटि करा दी। इससे वीरवती का आवेदन निरस्त हो गया। ज्यादा रुपये देने वाली आवेदक का इस पद पर चयन हो गया। सीडीओ ने अपनी रिपोर्ट में सीडीपीओ को दोषी पाते हुए निलंबन की संस्तुति की। डीएम ने निदेशक बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग को पत्र भेजा। इसके बाद निदेशक ने सीडीपीओ निलंबित कर दिया है। सीडीपीओ कृष्ण चंद्र को निलंबित करते हुए निदेशक ने उनको जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय शाहजहांपुर से संबद्ध कर दिया है। साथ ही, आरोपों की जांच के लिए उप निदेशक मुख्यालय को जांच अधिकारी नामित किया है। डीएम रविंद्र कुमार ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान शिकायत मिली थी। इसकी जांच कराई गई तो आरोप सही पाए गए। इसके बाद आरोपी अधिकारी के निलंबन की संस्तुति कर जांच रिपोर्ट बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार निदेशालय को भेज दी गई। वहां से अब निलंबन की कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच भी शुरू करा दी गई है।

सरकारी स्कूल में नमाज पढ़ते प्रधानाध्यापक का वीडियो वायरल, शिकायत के बाद जांच शुरू

बरेली , एजेंसी। बरेली के आंवला में एक स्कूल में नमाज पढ़ते प्रधानाध्यापक का वीडियो वायरल हो रहा है। मामले की शिकायत एक्स पर पुलिस प्रशासन से की गई है। वीडियो ब्लाक आलमपुर जाफराबाद के रसूला गांव के सरकारी स्कूल का बताया गया है। जिसमें वहां तैनात फरीदपुर निवासी प्रधानाध्यापक कक्षा के अंदर नमाज पढ़ते दिखाई दे रहे हैं। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे व उनके अभिभावकों का कहना है कि प्रधानाध्यापक अक्सर स्कूल में कमरा बंद करके नमाज पढ़ते हैं। इस मामले में ग्राम प्रधान सतपाल मौर्य ने वीडियो को काफी पुराना बताते हुए कहा कि प्रधानाध्यापक करीब 10 साल से इस स्कूल में तैनात हैं। काफी समय पहले करीब दो साल पहले मास्टर साहब के स्कूल के अंदर नमाज पढ़ने की जानकारी मिली थी। इस मामले में उनसे शिकायत की गई। तब उन्होंने उस समय माफी मांग कर भविष्य में ऐसा न करने की बात कही थी। एसडीएम नहने राम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सिर्फ भागकर शादी करने के आधार पर सुरक्षा नहीं दी जा सकती, हाईकोर्ट ने कहा- समाज का सामना करना सीखना होगा

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि स्वेच्छा से शादी करने वाले जोड़ों को समाज का सामना करना सीखना होगा। सिर्फ भागकर शादी करने के आधार पर सुरक्षा नहीं दी जा सकती। उन्हें यह साबित करना होगा कि उनके जीवन और स्वतंत्रता को वास्तविक खतरा है।

न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने चित्रकूट की श्रेया केसरवानी की याचिका निस्तारित करते हुए यह टिप्पणी की है। चित्रकूट के कर्वी थाना निवासी श्रेया ने कोर्ट से शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में विपक्षियों के हस्तक्षेप न करने के लिए निर्देश देने की गुहार लगाई थी।

याची अधिवक्ता की दलील थी कि शादी करने वाले जोड़े बालिग हैं। जिले के विवाह अधिकारी के यहां सिविल मैरिज के लिए आवेदन दिया हुआ है। परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी की है। आशंका है कि परिजन उन्हें क्षति पहुंचा सकता है। लड़की के साथ पहले भी दुर्व्यवहार हुआ है। ऐसे में उन्हें सुरक्षा दी जाए।

वास्तविक खतरे के मुताबिक पुलिस उठा सकती है कानूनी कदमः कोर्ट ने कहा कि याचियों ने एसपी चित्रकूट को प्रत्यावेदन दिया है। पुलिस वास्तविक

खतरे के मुताबिक कानूनी कदम उठा सकती है। रिकॉर्ड में ऐसा कोई तथ्य नहीं है, जिससे यह प्रतीत हो कि याचियों को गंभीर खतरा है और उन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिए। विपक्षियों की ओर से याचियों पर शारीरिक या मानसिक हमला करने का कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया गया है।

पुलिस सुरक्षा देने का नहीं बनता मामलाः याचियों ने विपक्षियों के किसी अवैध आचरण को लेकर एफआईआर दर्ज करने के लिए संबंधित थाने में कोई अर्जी भी नहीं दी है। न ही मुकदमा दर्ज करने के लिए कोई तथ्य प्रस्तुत किया गया। ऐसे में पुलिस सुरक्षा देने का कोई केस नहीं बनता। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए कहा कि परेशानी होने पर प्रार्थना पत्र देने पर पुलिस उचित कार्रवाई करेगी।

ब्रेकअप के प्रतिशोध में झुलस रही वैवाहिक रिश्तों की पवित्रता : हाईकोर्टः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहमति संबंध के पल भर में बनते-बिगड़ते रिश्तों पर गंभीर चिंता जताई है। हाईकोर्ट ने कहा कि ब्रेकअप से पैदा हुए प्रतिशोध की आग में वैवाहिक रिश्तों की पवित्रता झुलस रही है। नई पीढ़ी के बीच आपसी सहमति से बन रहे अंतरंग संबंधों की तकरार को आपराधिक रंग देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो वास्तव में कानून का दुरुपयोग है।

इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की अदालत ने 25 वर्षीय युवती संग दुष्कर्म के आरोपी बांदा निवासी अरुण कुमार मिश्रा की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि असफल अंतरंग संबंधों में उपजे कलह का प्रतिशोध लेने के लिए आपराधिक कानून के दुरुपयोग की इजाजत नहीं दी जा सकती।

पीड़िता वाकिफ थी कि आरोपी पहले तीन महिलाओं से शादी कर चुका है। फिर भी उसके संग संबंध बनाए। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ बांदा जिले के महिला थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप लगाया कि वह दिल्ली के निजी बैंक में काम कर रही थी। इसी दौरान हुई मुलाकात में आरोपी ने उसे अपनी कंपनी में नौकरी दिलाने को कहा तो उसने नौकरी छोड़ दी। इसके बाद आरोपी संग कंपनी में काम करने लगी। आरोप है कि जनवरी 2024 में आरोपी ने उसे नशीली दवा पिला कर दुष्कर्म किया। अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल भी किया।

नन्हीं जीवा ने 21 सौ बार राम लिख बनाई हनुमान की पेंटिंग, रिजवान की चित्रकारी ने मोहा

वाराणसी , एजेंसी। संकट मोचन संगीत समारोह की प्रथम निशा पर हर वर्ष की तरह इस बार भी चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में दूर-दराज के साथ स्थानीय चित्रकारों ने भी प्रतिभाग किया। इसमें 11 वर्षीय जीवा ने 21 सौ बार राम-राम लिखकर हनुमान जी की पेंटिंग बनाई है।

जीवा बताती हैं कि दीदी स्नेहा को देखकर मैं आकर्षित हुई। भगवान राम का स्मरण कर पेंटिंग बनाना शुरू किया। मेरा मार्गदर्शन चित्रकार पूनम राय ने किया। नन्हीं जीवा प्रदर्शनी में अपनी पेटिंग देख काफी खुश हैं

इसी तरह स्नेहा ने भी बाल हनुमान के चित्र को उकेरा है। उन्होंने बताया कि इस पेंटिंग को बनाने में करीब 30 मिनट लगे। वे इसलिए काफी खुशी हैं कि पहली बार उन्हें इतने बड़े कायक्रम में

उनकी पेंटिंग को भी हिस्सा दिया गया।

प्रदर्शनी में रिजवान खान ने भी पेंटिंग के माध्यम से हिस्सा लिया। उन्होंने हनुमान जी की पेंटिंग बनाकर नई उपलिब्ध हासिल की है। वे बताते हैं कि कला, संगीत-साहित्य में धर्म और मजहब जैसी चीजें नहीं होती हैं। इस मंच पर आकर सभी धर्म-जाति के लोग सिर्फ एक ही नाम से पुकारे जाते हैं, जिसके कलाकार कहते हैं।

बीआर फाउंडेशन की अध्यक्ष पूनम राय ने जानीं-मानीं चित्रकार हैं। उन्होंने भी अपनी पेंटिंग्स इस प्रदर्शनी में लगाई है। वे बताती हैं कि उन्होंने काफी सम्मान पाए हैं लेकिन हनुमत दरबार में कला के माध्यम से हिस्सा लेना, अपने आप में एक सम्मान हो जाता है। मेरे लिए इससे बढ़ा सम्मान कुछ नहीं।

महिलाओं के सामने स्टंट करने से रोका तो दूसरे समुदाय के युवकों ने किया हमला, घर में घुसकर की मारपीट

बरेली , एजेंसी। बरेली के सिरौली थाना क्षेत्र में खेत से गेहूं कटाई करने आ रही एक परिवार की लड़की, महिलाओं के सामने दूसरे समुदाय के युवकों ने बाइक से स्टंट किया। आरोप है कि परिवार के एक व्यक्ति के टोका तो दूसरे समुदाय के युवकों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों के समझाने के कुछ देर बाद आरोपियों ने करीब 20 लोगों के साथ मिलकर पीड़ित परिवार के घर में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ कर दी। जिससे 10 लोग घायल हो गए। सूचना पर इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल भिजवाया। दो लोगों को बरेली अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने गांव में गश्त बढ़ा दी है। गांव अजमेर के एक व्यक्ति के परिवार की महिलाएं व अन्य सदस्य गेहूं की कटाई कर घर आ रहे थे। तभी दूसरे समुदाय के लड़के बाइक पर स्टंट करते हुए आ रहे थे, जो एक व्यक्ति को देखने में खराब लगा। उन्होंने विरोध किया तो स्टंटबाजों ने उक्त व्यक्ति की पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों के समझाने के बाद आरोपी उस वक्त वहां से चले गए। इसके कुछ देर बाद संबंधित व्यक्ति के यहां दूसरे समुदाय के 20 लोग आ गए। घर में घुसकर पीड़ित परिवार के साथ मारपीट व तोड़फोड़ कर दी। सूचना के बाद इंस्पेक्टर रामरतन सिंह, सीओ मीरगंज अंजनी कुमार तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। हालांकि उससे पहले आरोपी भाग गए। पुलिस ने घायलों को रामनगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें से दो की हालत गंभीर है, जिसको बरेली रेफर कर दिया गया है।

मनचलों की वजह से महिलाएं परेशानः ग्रामीणों का कहना है कि एक समुदाय के कुछ लोगों ने महिलाओं का निकलना मुश्किल कर दिया है। वे आए दिन छेड़खानी करते हैं। इसके विरोध पर वे झगड़ा करने के लिए आमादा हो जाते हैं।

तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी : इंस्पेक्टरः इंस्पेक्टर रामरतन सिंह ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से गांव में गश्त बढ़ा दी गई है। अब तहरीर मिलने के बाद मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मौके पर पहुंचकर सीओ मीरगंज अंजनी कुमार तिवारी ने भी जांच के निर्देश दिए हैं।

हाथरस जमीन घोटाला... वाराणसी के सीआरओ के खिलाफ चार्जशीट, 23.92 करोड़ का है मामला; चार्जशीट दाखिल

वाराणसी , एजेंसी। नोएडा पुलिस ने 23.92 करोड़ के हाथरस जमीन घोटाले में तत्कालीन तहसीलदार और वर्तमान वाराणसी के मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) अजीत परेश, ओएसडी वीरपाल सिंह के खिलाफ एंटी करप्शन कोर्ट मेरठ में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें दोनों अधिकारियों और इनके रिश्तेदारों की भूमिका की पुष्टि की गई है। पुलिस की विवेचना में वीरपाल सिंह के छह रिश्तेदारों व करीबियों पर भी जमीन खरीद-बिक्री के आरोप लगे हैं। इसके मुताबिक, उन्होंने अपने भांजे निर्दोष चौधरी, दामाद नीरज तोमर, साले संजीव, नौकर सत्येंद्र और समधी मदन पाल सिंह, समधी के बेटे अजीत सिंह के नाम से जमीन औने-पौने दाम पर खरीदवाई थी। इस मामले में अब तक 16 आरोपियों के खिलाफ पुलिस आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। इनमें पांच सरकारी अधिकारी हैं। अजीत परेश वर्तमान में वाराणसी में मुख्य राजस्व अधिकारी हैं। वीरपाल सिंह (वीपी सिंह) सेवानिवृत हो चुके हैं। इसके अलावा कई अन्य लोगों के नाम भी जांच में सामने आए हैं। इनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

2019 में बीटा-टू थाने में यमुना विकास प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ पीसी गुप्ता, एसीईओ सतीश कुमार, ओएसडी वीपी सिंह समेत 29 के खिलाफ धोखाधड़ी से लेकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम तक के तहत मुकदमे दर्ज हुए थे।

यह है आरोपः आरोप है कि जब यमुना प्राधिकरण हाथरस की जमीन को विकसित करने के लिए खरीद रहा था, तब प्राधिकरण के अधिकारियों ने मिलीभगत कर अधिग्रहण से पहले अपने परिचितों और रिश्तेदारों के माध्यम से वहां की जमीन किसानों से खरीदी गई थी। इसमें तत्कालीन तहसीलदार अजीत परेश और ओएसडी वीरपाल सिंह की भूमिका थी। 14.5 हेक्टेयर जमीन खरीदी गई थी : पुलिस की जांच में पता चला कि जिस वक्त यमुना प्राधिकरण हाथरस में जमीन का अधिग्रहण कर रहा था उस वक्त योजना के मुताबिक 5 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता थी।

सांप के काटने की झूठी कहानीः पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर गला दबाकर की पति की हत्या, फिर सांप से डसवाया

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के बहसूमा में शहर के सौरभ हत्याकांड जैसा ही एक और मामला सामने आया है। यहां पत्नी ने पति की प्रेमी संग मिलकर न सिर्फ हत्या की बल्कि पकड़ी न जा सके इसके लिए सांप के काटने की कहानी गढ़ दी। पुलिस जांच पड़ताल के बाद बुधवार को पूरे मामले का खुलासा कर दिया।

अकरबपुर सादात गांव के अमित कश्यप उर्फ मिक्की (25) की मौत वाइपर सांप के काटने से नहीं हुई थी। अमित की हत्या उसकी पत्नी रविता ने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर की थी।

अमित उर्फ मिक्की के बिस्तर पर बैठा सांपः दोनों आरोपियों ने गला दबाकर पहले हत्या की और फिर वारदात को हादसा दर्शाने के लिए जहरीला सांप उसके बिस्तर पर छोड़ दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि के बाद पुलिस ने बुधवार देर रात दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है।

बहसूमा थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर सादात में अमित उर्फ मिक्की का शव रविवार सुबह उसके बिस्तर पर पड़ा मिला था। अमित

के शव के नीचे एक जिंदा सांप दबा हुआ था। अमित के शरीर पर सांप के डसने के दस निशान थे। जिसे देखकर परिजन ने सांप के दस बार डसने से अमित की मौत का दावा किया था। परिजनों ने सपेरे को बुलाया, जिसने सांप को अमित के शव के पास से पकड़ा था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से हुई मौत : बुधवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अवलोकन करने पर पुलिस को पता चला कि अमित की मौत सांप के डसने से नहीं बल्कि दम घुटने से हुई है। इससे पुलिस को गला दबाकर हत्या का अंदेशा हुआ और गहनता से जांच शुरू की गई। पुलिस ने देर रात अमित की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में दोनों ने पुलिस को गुमराह किया। पूछताछ के बाद पुलिस ने जानकारी दी कि रविता और अमरदीप ने ही अमित की हत्या की थी।

ग्रेटर नोएडा के गांवों में तेजी से होंगे विकास कार्य छह फीसदी भूखंडों में रोड, बिजली, पानी व सीवर की सुविधा प्राथमिकता पर : सीईओ एनजी रवि कुमार

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह की अगुवाई में किसानों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक, 1000 करोड़ की योजनाएं जल्द होंगी जमीन पर

फ्यूचर लाइन टाईम्स
ग्रेटर नोएडा : किसानों को दिए जा रहे छह फीसदी भूखंडों को जल्द ही बुनियादी सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इनमें सड़क, बिजली, पानी और सीवर जैसी सुविधाएं प्राथमिकता पर मुहैया कराई जाएंगी। यह जानकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने शुक्रवार को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह की अगुवाई में किसानों के साथ आयोजित बैठक के दौरान दी। बैठक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में आयोजित हुई, जिसमें सीईओ के अलावा एसीईओ सौम्या श्रीवास्तव, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, ओएसडी गिरीश कुमार झा, जितेंद्र गौतम, रामनयन सिंह, महाप्रबंधक ए.के.

सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में किसानों ने ग्रामीण आबादी की बैकलीज, भूखंडों की शिफ्टिंग, गांवों में अधूरी विकास योजनाएं और छह फीसदी भूखंडों की स्थिति को लेकर अपनी समस्याएं विधायक के माध्यम से सीईओ के समक्ष रखीं। सीईओ ने इन सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और समयबद्ध समाधान का आश्वासन दिया। सीईओ एनजी रवि कुमार ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने, और वहां मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। परियोजना विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि जिन गांवों तक अब तक सड़क संपर्क नहीं हो पाया है, उन्हें तत्काल जोड़ने की कार्ययोजना बनाई जाए। जेवर विधायक ने स्वर्णनगरी क्षेत्र में मिल्क बूथ स्थापित करने की मांग रखी, जिस पर सीईओ ने नियोजन विभाग को आवश्यक स्थान चिन्हित करने के निर्देश तुरंत दिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की जनहित योजनाओं को प्राथमिकता पर क्रियान्वित किया जाएगा। सीईओ ने सभी गांवों, सेक्टरों और सोसाइटियों तक शीघ्र गंगाजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि भूजल पर निर्भरता कम हो सके। उन्होंने चेताया कि भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है और यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। सीईओ ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्राधिकरण में आने वाले प्रत्येक आगंतुक के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा अभद्र व्यवहार की शिकायत मिलती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए सीईओ ने सड़कों के सुधार और चौड़ीकरण पर विशेष बल देने की बात कही। इस संबंध में परियोजना विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। बैठक के अंत में किसानों ने विधायक और प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि अब उनकी वर्षों पुरानी मांगें जल्द पूरी होंगी। जेवर विधायक ने भी किसानों को आश्वासन दिया कि वे हर स्तर पर ग्रामीण हितों की पैरवी करते रहेंगे।

ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र हुए सम्मानित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में शनिवार को अखिल ओलंपियाड (सिल्वर जोन) एवं ह्यूमिंग बर्ड इंटरनेशनल स्पेल बी ओलंपियाड (अंग्रेजी) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मैडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रार्थना- सभा में विद्यालय की प्रधानाचार्या डा. दीप्ति शर्मा ने अखिल ओलंपियाड हिन्दी (सिल्वर जोन) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं हमरा अली, मोहम्मद नोमान, परी शर्मा, आरव चौधरी, शिवांगी, वृंदा शर्मा एवं ध्रुव परमार तथा ह्यूमिंग बर्ड इंटरनेशनल स्पेल बी अंग्रेजी ओलंपियाड में श्रेष्ठता अर्जित करने वाले छात्र- छात्राओं विहान, वृंदा, प्रांजल, अवनेशा, काव्य शर्मा एवं प्राची को प्रशस्ति पत्र और मैडल प्रदान कर सम्मानित किया।इस अवसर पर डा. दीप्ति शर्मा ने छात्र- छात्राओं एवं शिक्षक- शिक्षिकाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों की यह उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि निरंतर परिश्रम, लगन और मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।ओलंपियाड जैसे प्रतियोगी मंच छात्रों की बौद्धिक क्षमता, आत्मविश्वास और विषयगत समझ को विकसित करते हैं।हम सभी को इन विद्यार्थियों पर गर्व है और आशा करते हैं कि वे भविष्य में भी विद्यालय और समाज का नाम इसी तरह से रोशन करते रहेंगे।

पोषण पखवाडे के अंतर्गत नालंदावे फाउंडेशन द्वारा एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से नोएडा के ककराला गांव में माताओं के लिए एक मातृ बैठक का किया गया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्ध नगर : जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में विगत दिवस पोषण पखवाडे के अंतर्गत नालंदावे फाउंडेशन द्वारा एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से नोएडा के ककराला गांव में माताओं के लिए एक मातृ बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की योजना गौतम बुद्ध नगर की जिला कार्यक्रम अधिकारी (DPO) पूनम तिवारी द्वारा की गई थी। उन्होंने स्वयं माताओं से संवाद किया और बच्चों की देखभाल को लेकर प्रेरणादायक बातें साझा कीं। उन्होंने माताओं को पोषक तत्वों से भरपूर भोजन देने के महत्व के बारे में बताया और जंक फूड से बचने की सलाह दी। साथ ही, सफाई और स्वच्छता की भूमिका पर भी जोर दिया। उनके प्रेरक शब्दों ने बातचीत को एक सार्थक दिशा दी, जिसे नालंदावे फाउंडेशन की टीम ने आगे बढ़ाया। टीम ने एक गतिविधि आधारित सत्र आयोजित किया, जिसमें माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने

मिट्टी की सहायता से सब्ज़ियां और फल बनाए और कल्पनात्मक थाली में सजाकर एक संतुलित आहार की थाली तैयार की। इस रचनात्मक गतिविधि ने पोषण संबंधी कई मिथकों को तोड़ने में मदद की। बैठक के दौरान माताओं ने न सिर्फ. अपने बच्चों की भलाई पर चर्चा की, बल्कि उन्होंने अपने स्वयं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को भी समझा। यह सत्र न केवल ज्ञानवर्धक था, बल्कि माताओं के लिए उत्साह जनके अनुभवे भी रहा।

अस्पतालों और होटलों में मॉक ड्रिल के माध्यम से किया गया अग्निसुरक्षा का अभ्यास, जनमानस को किया गया जागरूक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन और मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे के नेतृत्व में जनपद की 20 महत्वपूर्ण इमारतों में अग्निसुरक्षा से संबंधित व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस अभियान में विशेष रूप से अस्पतालों और होटलों को सम्मिलित किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में आमजन का प्रतिदिन आना-जाना होता है। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन अधिकारियों द्वारा संबंधित भवनों में लगे फायर अलार्म, फायर हाइड्रेंट, स्मोक डिटेक्टर, अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) जैसी सुविधाओं की कार्यप्रणाली का परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने भवन प्रबंधन को निर्देशित किया कि अग्निशमन से जुड़ी समस्त व्यवस्था को सदैव सक्रिय व क्रियाशील अवस्था में बनाए रखें और समय-समय पर उसकी जांच सुनिश्चित करें। इस

दौरान विभिन्न स्थलों पर मॉक ड्रिल और इवैक्युएशन अभ्यास भी कराए गए, जिनमें आपातकालीन स्थिति में कर्मचारियों और आगंतुकों की त्वरित प्रतिक्रिया व सुरक्षित निकासी की प्रक्रियाओं का सजीव अभ्यास किया गया। लोगों को बताया गया कि आग लगने की स्थिति में घबराए बिना किस प्रकार तय प्रक्रियाओं के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए। यह जनहित जागरूकता अभियान जनपद के 14 प्रमुख अस्पतालों—जैसे विनायक आई हॉस्पिटल, कैलाश हॉस्पिटल (सेक्टर-27 व जेवर), मैक्स हॉस्पिटल, अशोका ट्रॉमा सेंटर, तिवारी आई केयर, निम्स मल्टी स्पेशलिस्ट, रिदा हॉस्पिटल, कृष्णा हॉस्पिटल, महानंदन हॉस्पिटल, उफ्ल्ह हॉस्पिटल, भारत हॉस्पिटल, वेल केयर हॉस्पिटल, अंतरा हॉस्पिटल आदि—तथा 6 होटलों—जैसे एलाइट होटल, ब्लू हॉट गेस्ट हाउस, वढ16 इन गेस्ट हाउस, ब्लूम होटल, दादा होटल एंड रेस्टोरेंट, स्टेलर जिम खाना—में चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य न केवल अग्निशमन उपायों की समीक्षा करना है, बल्कि आमजन को अग्निसुरक्षा के प्रति सतर्क और जागरूक बनाना भी है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने एक इनामी बदमाश को मुठभेड़ में पकड़ा है। बीटा-2 थाना पुलिस एटीएस गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया। बदमाश ने रुकने की बजाय भागने की कोशिश की। पुलिस ने जब पीछा किया तो बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान बुलंदशहर के ककोड़ थाना क्षेत्र के हिनरौती गांव निवासी सुकेश के रूप में हुई है। उसके पास से एक तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और चोरी की बाइक बरामद हुई है। एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि सुकेश रजिस्टर्ड गैंग डी-181 का सक्रिय सदस्य है। इस गैंग का लीडर निखिल फिलहाल जेल में है। यह गैंग 2022 में एसटीएफ कर्मचारी की मारुति ईको कार से पिस्टल और वाईफाई डिवाइस लूटने में शामिल था। सुकेश अपने साथियों के साथ लोगों को धमकाकर डकैती और लूट की वारदातें करता था।बदमाश 13 दिसंबर 2024 से गैंगस्टर एक्ट में वांछित था। पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

बाल विकास परियोजना शहरी एवं बिसरख में पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत "पोषण रैली" का किया गया आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्ध नगर -जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेशों की क्रम में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतम बुद्ध नगर के नेतृत्व में पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत विगत दिवस बाल विकास परियोजना (शहर एवं बिसरख) की आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस "पोषण रैली" का मुख्य उद्देश्य समुदाय में पोषण संबंधी जागरूकता फैलाना एवं "सुपोषित भारत" की दिशा में जनभागीदारी सुनिश्चित करना था। रैली के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने पोषण के महत्व, संतुलित आहार, स्तनपान, एनीमिया मुक्त भारत और बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की देखभाल से संबंधित नारों और पोस्टरों के माध्यम से संदेश प्रसारित किए। रैली विभिन्न मोहल्लों एवं प्रमुख स्थानों से होकर गुजरी, जिसमें स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर परियोजना अधिकारियों ने भी उपस्थित होकर कार्यकताओं का उत्साहवर्धन किया और पोषण को लेकर अपने विचार साझा किए। पोषण पखवाड़ा के आगामी दिनों में भी विभिन्न गतिविधियाँ जैसे पोषण प्रतियोगिताएं, गृह भ्रमण, स्वस्थ भोजन प्रदर्शनी आदि आयोजित की जाएंगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को पोषण संबंधी जानकारी दी जा सके।

इंडिया एक्सपो मार्ट में जलापूर्ति के लिए नई पाइप लाइन बिछाई गई

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में बेहतर जलापूर्ति के लिए परिसर में नई पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसका फायदा क्षेत्र के अन्य संस्थानों को भी होगा। नए कनेक्शन भी दिए जाने की तैयारी है। वहीं एक्सपो मार्ट के आसपास यातायात, जल निकासी, सौंदर्यीकरण सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम चल रहा है। दरअसल ग्रेटर नोएडा में 20 वर्ष पहले बिछाई गई पेयजल पाइप लाइनों में लीकेज और पाइप के फटने की वजह से आपूर्ति बाधित हो रही है। यह समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। गर्मी के मौसम में जल संकट और अधिक बढ़ सकता है। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने जरूरी स्थानों पर नई पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके तहत इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट परिसर में नई पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। यहां राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। इससे जलापूर्ति बेहतर हो सकेगी। इसके साथ ही नॉलेज पार्क में स्थित शिक्षण संस्थानों में भी पेयजल की आपूर्ति की जा सकेगी। अधिकारी के मुताबिक जलापूर्ति के नेटवर्क को बढ़ाकर नए कनेक्शन भी दिए जाने हैं। उन इलाकों में भी पेयजल पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है, जो अब तक अछूते थे। अधिकारी के मुताबिक औद्योगिक सेक्टर इकोटेक-1 एक्सटेंशन-1 में भी जलापूर्ति की तैयारी चल रही है। इसके लिए मुख्य जल वितरण नेटवर्क में एक नई मुख्य पाइपलाइन को जोड़ने का काम चल रहा है। जलापूर्ति शुरू होने से उद्यमियों को राहत मिलेगी। उम्मीद है कि अगले एक माह में यह काम पूरा हो जाएगा। औद्योगिक सेक्टरों में जलापूर्ति का मुद्दा उद्यमी संगठनों के पदाधिकारी बैठक में उठा चुके हैं।

वहीं ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 16बी और 16सी में जलापूर्ति के लिए पाइप लाइन बिछाने का कार्य कराने के लिए निविदा जारी की गई है। इस पर प्राधिकरण लगभग 88 लाख रुपये खर्च करेगा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सभी सेक्टरों को गंगाजल परियोजना से आच्छादित किए जाने का काम तेजी से चल रहा है। सेक्टर ओमेगा गोल्फ लिंक में पेयजल वितरण मुख्य लाइन के रखरखाव के लिए एजेंसी की तलाश की जा रही है, जिसे तीन साल के लिए जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

गंगाजल व भूजल की बेहतर आपूर्ति के लिए मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इसके लिए नई पाइप लाइन बिछाने के साथ मरम्मत का काम भी किया जा रहा है। इंडिया एक्सपो सेंटर परिसर में नई पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। इसका फायदा आसपास के इलाकों को भी मिलेगा। जिन सेक्टरों में पाइप लाइन फटने की ज्यादा समस्या है,वहां पर प्रयोग के तौर पर नई पाइप लाइन बिछाई जाएगी।

स्कूली बच्चों को आग से बचाव का प्रशिक्षण

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण सेक्टर 25 स्थित जेपी ग्रुप के सरदार पटेल स्कूल में अग्निशमन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित इस कार्यशाला में छात्रों को आपातकालीन स्थिति में आग से बचाव के तरीके सिखाए गए। कार्यशाला में मॉक ड्रिल और रेस्क्यू का प्रदर्शन किया गया। छात्रों को आग बुझाने की विधियां और आग में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रशिक्षण दिया गया। जेपी ग्रुप के चीफ फायर ऑफिसर डॉ. गगनदीप देवगन ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. देवगन ने बताया कि अचानक लगी आग या सिलेंडर लीकेज से उत्पन्न आग को कंबल और पानी से बुझाया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि आग जैसी आपात स्थिति में हड़बड़ाना नहीं चाहिए। घबराहट से स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन करने से जान को कोई खतरा नहीं होता।

ट्रैक्टर से रास्ता न देने पर हमला

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में एक सप्ताह पहले हुए हमले का मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। पुलिस ने गुरुवार रात को नकुल को गिरफ्तार किया। आरोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। घटना 7 अप्रैल की है। रामपुर खादर गांव में अनिल ट्रैक्टर चला रहा था। नकुल और उसके साथी ने रास्ता न देने पर लोहे की रॉड से उस पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अनिल को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसका एक पैर काटना पड़ा।पीड़ित के चचेरे भाई योगेंद्र ने 10 अप्रैल को नकुल और राकेश के खिलाफ केस दर्ज कराया। दोनों पक्षों में पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में यह हमला किया गया। एम्स में भर्ती अनिल की हालत अभी भी गंभीर है।दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही बाकी आरोपियों को भी पकड़ लिया जाएगा।

पुलिस की चेन स्नेचर से मुठभेड़

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। थाना फेस-1 पुलिस सेक्टर-15ए के पीछे गंदे नाले को जाने वाली सड़क पर चेकिंग कर रही थी। सेक्टर-16 की तरफ से एक व्यक्ति बाइक पर आता दिखाई दिया। इसे रूकने का इशारा करने पर व्यक्ति अपनी बाइक को वापस पीछे मोड़कर सेक्टर-16 की तरफ जाने वाले गंदे नाले की पटरी पर भागने का प्रयास करने लगा।पुलिस टीम द्वारा करीब 600 मीटर तक पीछा करने पर बाइक फिसलकर गिर गई। जिस पर उसके द्वारा भागने के प्रयास किया। पुलिस ने वॉर्निंग दी कि अपने आप को सरेंडर कर दो। इतना सुनते ही बदमाश ने पुलिस ने जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस टीम ने जवाबी फायर किया। बदमाश के पैर में गोली लगी। वो जमीन पर गिर गया। पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार किया। बदमाश की पहचान मनीष कुमार निवासी जिला बक्सर, बिहार वर्तमान पता नया बास सेक्टर-16 हुई। इसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस, चोरी/लूट के 02 मोबाइल फोन, लूटे गए मोबाइल फोन को बेचने से 1500 रुपए और चोरी की बाइक बरामद की गई। इस बाइक के संबंध में थाना शकरपुर ईस्ट दिल्ली में मुकदमा है। बरामद रुपए छीने गए फोन को बेचने से प्राप्त है, इसके संबंध में थाना फेस-1 नोएडा में मुकदमा दर्ज है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इसके डेटा को अन्य राज्यों और जनपदों को भेजा गया है। वहां से इसका आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

मीना बाजार बना महिलाओं का उत्सव केंद्र बाराही मेला-2025 में पारंपरिक परिधानों, आभूषणों और सांस्कृतिक माहौल ने खींचा ध्यान

फ्यूचर लाइन टाईम्स
सूरजपुर/ग्रेटर नोएडा : बाराही मेला-2025 में इस बार मीना बाजार ने महिलाओं के लिए विशेष आकर्षण का रूप ले लिया है। हर वर्ष की भांति इस बार भी सूरजपुर के ऐतिहासिक मेले में लगे मीना बाजार ने अपने रंग-बिरंगे स्टॉल्स, पारंपरिक वस्त्रों, आभूषणों और हस्तशिल्पों से न केवल महिलाओं को लुभाया, बल्कि उन्हें एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव भी प्रदान किया।मीना बाजार अब केवल खरीदारी का केंद्र नहीं रहा, बल्कि यह महिलाओं के लिए आत्म-अभिव्यक्ति, परंपरा और आधुनिकता के संगम का प्रतीक बन गया है।

मीना बाजार में महिलाओं के लिए खास तौर पर पारंपरिक लहंगे, सलवार-सूट, कश्मीरी शॉल, डिजाइनर कपड़े, कांच की चूड़ियाँ और हाथ से बने आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। इसके अलावा, घर की सजावट के सामान, बच्चों के खिलौने, हैंडमेड बैग्स और अन्य उपयोगी वस्तुएँ भी बाजार की शोभा बढ़ा रही हैं। यह बाजार महिलाओं के लिए न केवल एक शॉपिंग डेस्टिनेशन है, बल्कि परिवार के साथ एक पर्व जैसा अनुभव भी है।

बाराही मेले को लेकर महिलाओं की प्रतिक्रिया : हर बार कुछ नया, कुछ खास

मीना बाजार में खरीदारी करती कई महिलाओं नेमेले अपने अनुभव साझा किए और जिसमें
रिंकी (ग्रेटर नोएडा) ने कहा कि हर साल बाराही मेले में आना खास लगता है। मीना बाजार की चूड़ियाँ और पायल बेहद सुंदर हैं और दाम भी बहुत किफायती हैं। सोनिया (सूरजपुर) ने बताया कि मैं सलवार-सूट लेने आई थी, लेकिन ज्वेलरी और कांच की चूड़ियाँ देखकर खुद को रोक नहीं पाई। यहां का माहौल बहुत अच्छा है। क्षमा सिंह ने कहा कि हर बार कुछ नया देखने को मिलता है। इस बार हैंडमेड बैग्स और खिलौनों ने मन मोह लिया। खाने के स्टॉल्स भी शानदार हैं।

नीतू और करिश्मा (कॉलेज छात्राएँ) ने कहा कि यहां कपड़े और ज्वेलरी दोनों ट्रेंडी हैं और सस्ती भी। हर बार एक अलग अनुभव मिलता है। मुस्कान ने कहा कि माँ के साथ आई हूँ और बच्चों के लिए बेहतरीन खिलौने और चाट मिली। ऐसा लगता है जैसे एक छोटे से त्यौहार में आए हों। शबनम ने कहा कि मैं हर साल आती हूँ। इस बार के डिजाइन्स और ऑफर्स बहुत अच्छे हैं। यह मेला महिलाओं के लिए किसी त्यौहार से कम नहीं। शिव मंदिर सेवा समिति के सदस्यों ने इस बार मीना बाजार को और भी सुविधाजनक और आकर्षक बनाने की दिशा में विशेष प्रयास किए हैं। अध्यक्ष धर्मपाल भाटी ने कहा कि हमने बाजार को सुंदर बनाने और महिलाओं के लिए सुरक्षित और आनंददायक अनुभव देने की दिशा में कई योजनाएं लागू की हैं। महामंत्री ओमवीर बैसला ने बताया कि हर साल इस मेले को महिलाओं के लिए खास बनाया जाता है ताकि वे पारंपरिक और उपयोगी सामान अच्छे दामों पर खरीद सकें। कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल ने कहा कि सभी दुकानदारों को गुणवत्तापूर्ण सामान बेचने के निर्देश दिए गए हैं। खुशी है कि महिलाएं संतुष्ट हैं। मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हर साल मीना बाजार को और भव्य बनाया जाए और महिलाओं के लिए यह एक यादगार अनुभव बनकर रहे। सूरजपुर के ऐतिहासिक बाराही मेले का मीना बाजार अब सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि महिलाओं के लिए एक सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है। शिव मंदिर सेवा समिति की यह पहल नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक सफल कदम साबित हो रही है, जहाँ महिलाएं न केवल खरीदारी करती हैं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और खुशियों से जुड़ाव का अनुभव भी करती हैं।

देश में समाप्त होने के कगार पर नक्सलवाद

रमेश सर्राफ धमोरा

केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है।

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। पिछले 20 वर्षों में 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है पिछले दो दशकों में अकेले नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे। यह आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में फैले एक लाल गलियारे के साथ 10 राज्यों में फैला हुआ था।

सरकार एक तरफ जहां नक्सलवाद को समाप्त करने की घोषणा कर रही है वहीं दूसरी तरफ शहरी नक्सलवाद जिसे अर्बन नक्सलवाद भी कहा जाता है तेजी से उभर रहा है। यह पारंपरिक ग्रामीण नक्सलवाद से अलग है क्योंकि इसका फोकस शहरों और शहरी इलाकों में होता है। शहरी नक्सली विचारधारा के समर्थक, जिनमें शिक्षाविद, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल होते हैं नक्सलवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक माध्यमों से अपनी विचारधारा फैलाते हैं और व्यवस्था के खिलाफ असंतोष को भड़काते हैं।

देश में नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के समग्र प्रयासों का असर दिखने लगा है। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि अब देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी हो रही है। सरकार ने नक्सलवाद-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। देश में वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आना इस आंदोलन की समाप्ति के संकेत है।

नक्सलवादी आंदोलनकारियों ने अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हजारों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों ने भी नक्सलवादी विरोधी अभियान में अपनी शहादत दी है। एक समय था जब देश के 10 प्रांतो में नक्सलवादियों की तूती बोलती थी। इन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर भी हमला कर दिया था। जगदलपुर में तो नक्सलवादियों ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं की हत्या कर सनसनी फैला दी थी।

मगर अब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण एक तरफ जहां इन पर दबाव बढ़ा है वहीं उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में सरकार ने विकास की योजनाएं प्रारंभ कर उनका जन समर्थन समाप्त कर दिया है। कई बड़े नक्सली कमांडरो का एनकाउंटर होने के बाद डर कर बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। जिससे आने वाले समय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्याप्त होगी। जो सरकार व आमजन की एक बड़ी जीत होगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

उर्दू और हिन्दी

महाराष्ट्र की एक नगर परिषद के साइन बोर्ड. पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता को गंगा-जमुनी तहजीब का पाठ पढ़ाया और उसकी याचिका को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत के इस फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। वास्तव में भाषा को बदनाम करना भारत की विविधता और बहुलतावादी सामाजिक संरचना को कमजोर करता है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि भाषा कोई धर्म नहीं है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। उर्दू कोई विदेशी भाषा नहीं है। इसी धरती पर पैदा हुई है और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता को न भाषाओं की समझ है, और न ही उर्दू और हिन्दी के उद्भव और विकास के बारे में कोई जानकारी है। सबसे पहली बात तो यह है कि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को शामिल किया गया है जिनमें उर्दू भी एक है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड़, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में उर्दू शासकीय भाषा है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि हकीकत यह है कि हिन्दी भाषा का इस्तेमाल भी उर्दू शब्दों के बिना अधूरा है। हिन्दी शब्द स्वयं फारसी शब्द 'हिंदवी' से आया है। वास्तव में भाषाएं एक दूसरे को समृद्ध करती हैं। हिन्दी और उर्दू में बहुत सी समानताएं हैं। दोनों खड़ी बोली से विकसित हुई हैं। दोनों के व्याकरण और शब्दावली में काफी समानता है। लेकिन दोनों भाषाओं की लिपियां अलग-अलग हैं। हिन्दी देवनागरी में लिखी जाती है जबकि उर्दू की लिपि अरबी है। अंग्रेजों के समय में हिन्दी और उर्दू का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया और दुर्भाग्य यह है कि यह गलतफहमी आज भी मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मसले पर फैसला सुनाते हुए बहुंत ही मार्मिक अंदाज में कहा कि 'हमें अपने पूर्वाग्रहों की सच्चाई से टकराने की जरूरत है। आइए, हम उर्दू और हर भाषा से दोस्ती करें।' दरअसल, याचिकाकर्ता का तर्क था कि नगर परिषद का काम केवल मराठी में ही किया जा सकता है और साइन बोर्ड. पर उर्दू का इस्तेमाल गलत है। अदालत ने फैसला देते हुए कहा कि मराठी का उपयोग अनिवार्य है, लेकिन उसके साथ अन्य भाषा के इस्तेमाल पर रोक नहीं है।

चिंतन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए।

कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयार्दा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी।

मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो। संसार में सर्वमान्य यदि कोई है तो वह है मृत्यु। दुनिया में जो जन्मा है, वह एक न एक दिन अवश्य मरेगा। सृष्टि के आदिकाल से लेकर आज तक मृत्यु से कोई भी नहीं बच पाया।

.....जहां पाकिस्तान भारत से हर रोज हारता है!

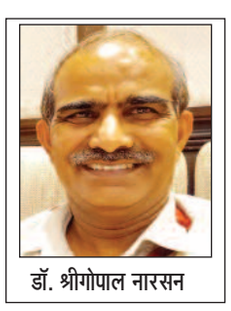

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

भारत -पाकिस्तान की बीच अमृतसर से लाहौर जा रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी-बाघा बॉर्डर दोनों देशों के लिए अपनी अपनी राष्ट्रभक्ति प्रदर्शित करने और प्रत्येक दिन कम से कम एक बार दोनों देशों के सैनिकों द्वारा हाथ मिलाने से मधुरता का न सही एक पड़ोसी देश के साथ औपचारिक रिश्ता जरूर बना हुआ है। भारत मे पाकिस्तान की सीमा को अटारी गांव जोड़ता है,तो पाकिस्तान का बाघा गांव भारत की सीमा से सटा हुआ है।अमृतसर से करीब 30 किलोमीटर दूर अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन दोनों देशों द्वारा सन 1959 में शुरू हुआ था,जो आज तक बदस्तूर जारी है।राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत यह समारोह देश और दुनिया में काफी प्रसिद्ध है।अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन सर्दियों में शाम चार बजे और गर्मियों में शाम 5.15 बजे शुरू होता है। यहां प्रवेश करने का समय 3 बजे शुरू होता है और सीट पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर मिलती है। अटारी-बाघा बॉर्डर पर होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह में भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान और पाकिस्तानी रेंजर्स फोर्स एक साथ मिलकर अपनी अपनी सीमाओं में शानदार परेड व शौर्य का प्रदर्शन करते हैं। जिसे देखने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक व नागरिक भाग लेते हैं। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान की सीमा के बीच स्थित एक सीमा क्रॉसिंग है। जमीन मार्ग से यहीं से एक दूसरे देश मे आया व जाया जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी- वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमा रेखा बनी हुई है। जिसे रेडक्लिफ रेखा के नाम से जाना जाता है।इस रेखा का नाम ब्रिटिश वकील सर सिरिल रेडक्लिफ के नाम पर रखा गया है, जो देश बंटवारे के समय सीमांकन करने के लिए जिम्मेदार रहा। इस आयोजन के तहत सीमा द्वार बंद करने की सैन्य परंपरा हैं, लेकिन यह एक बेहद कोरियोग्राफ़्ड और लोकप्रिय सार्वजनिक सैन्य प्रदर्शन बन गया है, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित करता है। वाघा बॉर्डर समारोह ऐतिहासिक संघर्षों और राजनीतिक तनावों के बीच भी भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और सहयोग की स्थायी उम्मीद का प्रतीक बना हुआ है। यह भारत के अमृतसर व पाकिस्तान के लाहौर आने वाले आगंतुकों के लिए सांस्कृतिक अनुभव का हिस्सा बन गया है सन1959 से दोनों देश यहां रोजाना झंडा उतारने की रस्म निभाते आ रहे हैं। अगस्त 2017 में भारत ने वाघा बॉर्डर के भारतीय हिस्से अटारी में 110 मीटर ऊंचा झंडा फहराया था। जवाब में पाकिस्तान ने अपनी तरफ 122 मीटर ऊंचा झंडा फहराया। भारत की तरफ वाला झंडा फहराने वाला झंडा देश में सबसे ऊंचा है, जबकि पाकिस्तान की तरफ वाला झंडा दक्षिण एशिया में सबसे ऊंचा माना जाता है।

सन 1947 में देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद से ही यह बॉर्डर दोनों देशों के बीच सड़क संपर्क के रूप में काम कर रहा है। यह समारोह 30 मिनट की एक ड्रिल है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज को नीचे करना और सूर्योदय तक दोनों देशों के बीच सीमा को औपचारिक रूप से बंद करना है। इसकी शुरूआत सीमा के दोनों ओर के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विस्तृत परेड से होती है। फिर, सीमा पर लोहे के गेटों को खोलना और दोनों तरफ के राष्ट्रीय झंडों को पूरी तरह से समन्वित आंदोलनों में नीचे करना होता है। झंडों को मोड़ने के बाद, दोनों पक्षों के सैनिक हाथ मिलाते हैं और लोहे के गेट बंद हो जाते हैं, जो समारोह के समापन का संकेत भी है।लेकिन भारत-पाकिस्तान के बीच इस रिट्रीट को देखकर ही सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत हर दृष्टि से पाकिस्तान पर भारी है और रहेगा।रिट्रीट के समय भी भारत की तरफ के दर्शकों की संख्या पाकिस्तान के दर्शकों से कम से कम दस गुणा अधिक होती है,इसी कारण पाकिस्तान की सैन्य व जन आवाज भारतीय सैनिकों व दर्शको के ऊंचे स्वर के बीच दबकर रह जाती है।सैन्य परेड देखकर तो लगता है जैसे पाकिस्तान भारत से हर रोज हार रहा हो।

(लेखक स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता व वरिष्ठ साहित्यकार है) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मुद्दा : तनाव जी का जंजाल

अजय प्रताप तिवारी

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग मुस्कुराने की कला को ही भूल रहे हैं, जबकि हंसना जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। हाल में जारी विश्व खुशहाली रिपोर्ट-2025 में भारत का118वां स्थान है। इसमें भारत के पड़ोसी देशों को भारत से बेहतर बताया गया है। भारत जैसे देश, जहां प्रकृति ने मनुष्यों को खुश रहने के लिए भरपूर अवसर और साधन प्रदान किए हैं, में फिर भी लोग उदासियों का शिकार हो रहे हैं। यह चिंता का विषय है। विश्व खुशहाली के निर्धारित मानक सामाजिक समर्थन, स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, स्वतंत्रता, भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति और उदारता हैं। अधिकांश लोग अपनी जीवनशैली में बदलाव, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सोशल मीडिया और सामाजिक तनाव के कारण मानसिक अस्थिरता के शिकार हो रहे हैं जो उनकी हंसी में बाधक है।

भारत में तनाव बढ़ते का प्रमुख कारण आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुंच, गरीबी और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती घटनाएं हैं। डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने लोगों को सामाजिक रूप से अलग-थलग कर दिया है, जिसकी वजह से वे अकेलेपन के शिकार हो रहे हैं। मानसिक तनाव अब केवल निजी समस्या न रह कर राष्ट्रीय समस्या बनता जा रहा है। युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे तनाव और मानसिक अस्थिरता मुख्य कारण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर सातवां व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। एनसीईआरटी के एक अध्ययन के अनुसार, स्कूल स्तर पर पढ़ने वाले 81 फीसद बच्चे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर तनावग्रस्त रहते हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री के एक शोध के अनुसार देश में 62 फीसद युवा डिजिटल दिखावे के चलते तनाव में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। मानसिक रूप से स्वतंत्रता और खुशहाल व्यक्ति के अंदर नये विचार और शोध नवाचार की भावनाएं बढ़ती हैं। मानसिक तनाव और अस्थिर व्यक्ति उपभोग, निवेश और उद्यमिता से दूर हो जाते हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। तनाव और अशांति से घिरा व्यक्ति अपने कार्य को मनोयोग्यता और दक्षता के साथ नहीं कर पाता, जिससे वह जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हो, अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन नहीं कर पाता। इसके परिणामस्वरूप उद्योग, शिक्षा, प्रशासन और सेवा क्षेत्रों में उत्पादकता घट जाती है। देश में बढ़ती मानसिक तनाव और उदासी की प्रवृत्तियों के कारण लोग अपराध का रुख अख्तियार कर लेते हैं, जिससे देश में अपराध दर में वृद्धि होती है। यदि लोग अपने देश में संतोषजनक जीवन नहीं जी पाते, तो विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश करते हैं। इससे देश की प्रतिभा का पलायन होता है, और योग्य मानव संसाधन की हानि होती है। ऐसे लोग, जो पूरी तरह से खुशहाल और सामाजिक दबाव से मुक्त नहीं होते, संस्थाओं और नीति-निमार्ताओं पर से विश्वास खो सकते हैं। परिणाम यह होता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, और जनभागीदारी में कमी आती है। भारत में 50 फीसद से अधिक युवा अपने करियर और निजी जीवन को लेकर तनाव में जीते हैं।

देश में अमीरी और गरीबी की बढ़ती खाई, निर्धनता और बढ़ती महंगाई ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तनाव और चिंता की गिरफ्त में ले लिया है। देश तीव्र गति से आर्थिक विकास कर रहा है, और उन्नत तकनीकों के चलते लोगों का जीवन पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सरल हो गया है, फिर भी लोगों में तनाव और असंतोष की प्रवृत्ति क्यों बढ़ रही है? देश की सबसे बड़ी पूंजी देश के नागरिकहोते हैं। जो देश जितना खुशहाल होगा, वह उतनी ही तेजी से उन्नति करेगा। आज जरूरत है सभी देशों को बाजारीकरण की होड़ से बाहर निकल कर अपने नागरिकों के लिए मंथन करने की। आखिर, क्या कारण हैं कि विज्ञान एवं तकनीकी की खोजों ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाने के साथ खुशी भी छीन ली हैं। आर्थिक विकास का आधार केवल सकल घरेलू उत्पाद की रैंकिंग नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सामाजिक सहयोग, जीवन प्रत्याशा, मानसिक स्वास्थ्य और नागरिकों की आत्मझसंतुष्टि जैसे कारकों पर आधारित होना चाहिए। एक खुशहाल देश में योग्य प्रशासन, रोजगार, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार से मुक्त कल्याणकारी राष्ट्र बनाने की शक्ति समाहित होती है। खुशहाली इंसानों का जीवन ही बेहतर नहीं बनाती है, बल्कि देश भी समृद्ध होता है। जब देश के सभी नागरिक प्रसन्नता से संपन्न होंगे तभी देश आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास संभव हो पाएगा।

दिल्ली में सुबह-सुबह पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शुक्रवार सुबह पांच बजे बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक वांटेड अपराधी पकड़ा गया। यह एनकाउंटर नजफगढ़ में हुआ। पुलिस ने अक्षय उर्फ गोलू को सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन उसने पुलिस पर गोली चलानी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर पर गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पास से एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के पांच बजे 30 साल का अक्षय उर्फ गोलू जय विहार नाला रोड पर लूटी गई मोटर साइकिल के साथ मिला। वह नजफगढ़ में डकैती के एक मामले में वांटेड था। उसे सरेंडर करने के लिए कहा गया लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। क्रॉस फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। उसके कब्जे से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने पुलिस पर दो गोलियां चलाईं और तीन गोलियां नजफगढ़ की पुलिस टीम ने चलाईं। उसके खिलाफ डकैती, स्नैचिंग, चोरी और आर्म्स एक्ट के 13 मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ 10 बार निवारक कार्रवाई की गई है। आखिरी बार 18 जनवरी 2025 को उसे पुलिस स्टेशन बाबा हरिदास नगर में धारा 126/170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया था।

रेलवे ने खोला पिटारा छपरा, मुजफ्फरपुर और पटना समेत कई शहरों के लिए ट्रेनों का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन रेलवे की तरफ से दिल्ली से बिहार और यूपी के लिए कई ट्रेनों का ऐलान किया गया है। शादी के सीजन में और गर्मियों की छुट्टियों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे का ये फैसला फायदेमंद साबित होगा। इसमें बिहार और यूपी के अलावा उत्तराखंड के लिए भी ट्रेन शामिल की गई है। गर्मियों के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे ने एक दर्जन से अधिक स्पेशल ट्रेनों को चलाने का फैसला किया है। ये स्पेशल ट्रेनें दिल्ली से बिहार के सीतामढ़ी, पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और जोगबनी तक जाएंगी। इस बीच प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, लखनऊ, सुलतानपुर, डीडीयू, बक्सर, सुलतानपुर, जौनपुर, कटिहार, पूर्णिया और आरा में इन ट्रेनों का स्टॉपेज होगा। दिल्ली से अयोध्या और ऋषिकेश के लिए भी स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। उत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों का संचालन भीड़भाड़ को कम करने और यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

दिल्ली के सीलमपुर से हिंदुओं का पलायन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीलमपुर में एक युवक की चाकू मारकर हत्या ने क्षेत्र में दहशत फैला दी है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि विशेष समुदाय के कुछ लोगों ने हत्या की है। घटना के बाद लोग पलायन करने की बात कर रहे हैं और सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। इस हत्याकांड के मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। दिल्ली के सीलमपुर इलाके में 17 साल के युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। युवक पर हमला उस समय हुआ जब वो घर से दूध लेने के लिए निकला था। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पूरे मामले में एक लड़की के शामिल होने की बात भी सामने आ रही है। घटना के बाद लोगों में दहशत है। हिंदुओं के पलायन की बात सामने आ रही है। लोगों ने अपने घरों के बाहर ये मकान बिकाऊ है के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। जिसमें लिखा है कि योगी जी, मदद करो योगी जी, रेखा गुप्ता जी मदद करो। इस मर्डर की घटना के बाद सीलमपुर में स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है। स्थानीय लोगों ने न्याय की मांग करते हुए जमकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी भी की। पुलिस ने मृतक की पहचान कुनाल के रूप में की है। सीलमपुर हत्याकांड के मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि दिल्ली में भी यूपी मॉडल लागू हो, गलत लोगों के घर बुलडोजर चले। हमारे साथ ऐसा सिर्फ इसलिए हो रहा है क्योंकि हम बीजेपी के लोग हैं। वे लोग लड़कियों का खुलेआम हाथ पकड़ते हैं। यहां कई बांग्लादेशी भी किराए पर रहते हैं जो इस तरह की घटना को अंजाम देने में लगे हुए हैं। इन लोगों के डर के कारण इस इलाके में हम लोगों के केवल 3 मकान बचे हुए हैं। सब लोग यहां से जा चके हैं।

दिल्ली : अवैध ढाबों पर मनजिंदर सिंह सिरसा का सख्त एक्शन, तुरंत सील करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को गुरु गोविंद सिंह अस्पताल के पास रघुवीर नगर इलाके का दौरा किया। वहां, उन्होंने सड़कों और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान मनजिंदर सिंह सिरसा एक्शन मोड में दिखे। उन्होंने अधिकारियों को अवैध ढाबों और कोयले के तंदूरों को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। इस मौके पर मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अवैध ढाबे, पार्किंग और प्रतिबंधित कोयले के तंदूर, जो प्रदूषण फैलाने का काम कर रहे हैं, उन्हें हटाने का अधिकारियों को आदेश दिया है। आज ही इन्हें सील किया जाए और उनके मीटर काटे जाएंगे। हमें दिल्ली को विकसित और खूबसूरत दिल्ली बनाना है। प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार प्रदूषण को लेकर बड़े कदम उठाने जा रही है। दिल्ली के अंदर बाहर से प्रवेश करने वाले 10 से 15 साल पुराने किसी भी वाहन को प्रवेश करते ही एक संदेश मिलेगा, जिसमें चेतावनी दी जाएगी कि उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं है। हम वाहनों को पहले से संदेश भेजकर सलाह देंगे कि वे ऐसे वाहन दिल्ली में न लाएं। हम 1000 वाटर स्प्रिंकलर लगा रहे हैं, जो जियोटैग होंगे। लाउडस्पीकर को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि लाउडस्पीकर के संबंध में सभी धर्मों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए। यह धर्म की राजनीति नहीं है। सभी धर्मों को सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित दिशा-निर्देश मानने होंगे।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने दिल्ली में बिहू उत्सव का आयोजन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यहां अपने आधिकारिक आवास पर रोंगाली बिहू और असमिया नव वर्ष के उपलक्ष्य में 'रोंगालीर एनजोरी' उत्सव का आयोजन किया।

बृहस्पतिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले असमिया और पूर्वोत्तर समुदायों के कई गणमान्य व्यक्ति, कलाकार और सदस्य भी शामिल हुए।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''रोंगाली बिहू हम सभी के लिए राष्ट्र की प्रगति की खातिर आगे बढ़ने की नई ऊर्जा और प्रेरणा लेकर आता है। यह त्योहार सिर्फ उत्सव मनाने के बारे में ही नहीं है, यह एकता, परंपरा और हमारी साझा सांस्कृतिक पहचान के बारे में है।''

सोनोवाल ने कहा कि घर से दूर होने के बावजूद, दिल्ली में मनाया जाने वाला यह त्योहार अपनी जड़ों से हर असमिया के गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''जब प्रकृति रंगों में रंग जाती है, तो ढोल की लयबद्ध थाप के साथ बिहू गीतों की ध्वनि हवा को प्रसन्न ता और गर्व से भर देती है। यह बिहू हमें हमारी विरासत से जोड़ता है और हमें नई उम्मीद और उत्साह से भर देता है।''

सोनोवाल ने कहा कि बिहू जैसे त्योतहार भारत की सांस्कृतिक एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने युवाओं से इस समृद्ध विरासत को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने का अनुरोध किया।

सोनोवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण पर भी बल देते हुए कहा, ''हमें इस उत्साहपूर्ण मौसम में विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए।'' मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस आयोजन के लिए सोनोवाल की सराहना करते हुए कहा, ''रोंगाली बिहू सद्भाव और सद्भावना का संदेश देता है। यह एकता की शक्ति को मजबूत करते हुए भारत की सांस्कृतिक विविधता की सुंदरता को प्रदर्शित करता है। मैं इस त्योहार के मौसम में दिल्ली के साथ-साथ असम के लोगों को भी अपनी शुभकामनाएं देती हूं क्योंकि हम सभी के लिए शांति और समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।''

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सांस्कृतिक तालमेल की प्रशंसा की। रीजीजू ने कहा, ''पूर्वोत्तर भारत के समुदायों के बीच मजबूत संबंध राष्ट्रीय विकास के इंजन को सशक्त बना रहे हैं। इस क्षेत्र की समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत भारत की सामूहिक पहचान में जीवंत रंग जोड़ती है।''

दिल्ली सरकार मानसून में जलभराव से मुक्ति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार मानसून के समय राष्ट्रीय राजधानी को जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर स्वचालित पंप लगाने और कर्मचारियों को तैनात करने सहित हर संभव प्रयास कर रही है।

मानसून की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री ने जलभराव वाले मिंटो ब्रिज अंडरपास का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। गुप्ता ने कहा, ''भारी बारिश के दौरान जलनिकासी के लिए यहां स्वचालित पंप लगाए गए हैं और 2.5 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। कर्मचारी भी हर समय ड्यूटी पर रहेंगे।''

संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है और सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध तरीके से हर कदम उठाएगी कि इस साल जलभराव न हो। गुप्ता डब्ल्यूएचओ इमारत के पास रिंग रोड और पुल प्रह्लादपुर अंडरपास सहित अन्य प्रमुख जलभराव वाले स्थानों पर मानसून की तैयारियों का भी निरीक्षण करेंगी।

दिल्ली : मंत्री आशीष सूद ने जनकपुरी में विकास कार्यों की रखी आधारशिला, त्वरित कार्यान्वयन के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री और जनकपुरी सीट से विधायक आशीष सूद ने शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के वीरेंद्र नगर, चाणक्य प्लेस और महावीर एन्क्लेव में कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी।

जिन कार्यों की आधारशिला रखी गई उनमें सड़क निर्माण, सीवर लाइन, पीने के पानी की पाइपलाइन और जल निकासी व्यवस्था शामिल हैं। मंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित विभागों के अधिकारियों को जल्द से जल्द सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर दिल्ली जल बोर्ड और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री सूद ने सबसे पहले वीरेंद्र नगर की गलियों में सड़क, सीवर और पानी की पाइपलाइन के कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने गली नंबर 1, 2 और 5 में सीवर लाइन को पानी की पाइपलाइन से अलग करने और बरसात से पहले जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्थानीय लोगों ने भारती कॉलेज और बीएफ ब्लॉक के सार्वजनिक शौचालयों की खराब स्थिति की शिकायत की, जिसके समाधान का

मंत्री ने भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि 2025 के अंत तक वीरेंद्र नगर की हर गली में सीवर लाइन होगी।

इसके बाद चाणक्य प्लेस के 30 फुटा रोड पर पहुंचे मंत्री सूद ने सड़क और सीवर लाइन के कार्यों की शुरुआत की। उन्होंने आजाद जूस वाली गली में 120 फीट सड़क का निर्माण जल्द पूरा करने और बिजली के जर्जर तारों को ठीक करने के निर्देश दिए ताकि शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाएं रोकी जा सकें।

महावीर एन्क्लेव पार्ट-2 के बी ब्लॉक, गली नंबर 31 में नई सीवर लाइन और पानी की पाइपलाइन के कार्य की आधारशिला रखते हुए मंत्री ने 30 जून तक कार्य पूर्ण करने का आदेश दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द ही क्षेत्र की हर गली में सीवर और पानी की सुविधा होगी।

मंत्री सूद ने जनकपुरी की जनता से कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को पूरा करने के लिए हम जनकपुरी को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाएंगे। दिल्ली को विकास का रोल मॉडल बनाना हमारा लक्ष्य है।' उन्होंने दिल्ली सरकार के एक्शन मोड में कार्य करने और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को विकसित राजधानी बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

इन कार्यक्रमों में स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उन्होंने सीवर जाम, गंदा पानी, लटकते बिजली के तार, पार्कों की बदहाली और स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याएं उठाईं। मंत्री सूद ने तत्काल समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा, 'मैं ब्लेम-गेम में नहीं, जमीनी काम में विश्वास रखता हूं। जनकपुरी के विधायक और मंत्री के रूप में मेरी जिम्मेदारी है कि हर समस्या का समाधान हो।'

दिल्ली : सीलमपुर में नाबालिग की हत्या पर मनोज तिवारी ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी का दिया भरोसा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में न्यू सीलमपुर के जे-ब्लॉक में एक 17 वर्षीय लड़के की बेरहमी से चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। इस घटना पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने गहरी चिंता व्यक्त की है और पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया है। मनोज तिवारी ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 卐सीलमपुर में कुणाल नाम के 17 साल के दलित युवक की हत्या अत्यंत चिंताजनक है। क्षेत्र के लोगों में रोष स्वाभाविक है। मैं रात से ही जिले के तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क में हूं। अधिकांश अपराधी चिह्नित हो गए हैं और बाकी की भी गहन पड़ताल जारी है। अपराधी कहीं भी छिपने की कोशिश करें, जल्द ही गिरफ्तार होंगे और कड़ी सजा मिलेगी। लोगों में रोष स्वाभाविक है, पर क्षेत्र के लोग संयम रखें, पुलिस को कार्रवाई में बाधा न हो ऐसा प्रयास करें।卐 भाजपा नेता ने दोपहर बाद एक अन्य पोस्ट में कहा कि वह स्वयं सीलमपुर जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात करना चाहते थे, लेकिन फ्लाइट में देरी होने के कारण नहीं पहुंच पाए। उन्होंने लिखा, 卐मैं विश्वास दिलाता हूं कि अपराधी जल्द पकड़े जाएंगे और उन्हें कड़ी सजा मिलेगी।' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था, 卐मैंने खुद पुलिस कमिश्नर से बात की है। कुणाल पर चाकुओं से हमला हुआ था। परिवार के लोग गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या के दोषियों को पुलिस गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। हमें पूरी उम्मीद है कि पुलिस दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर लेगी। मृतक के परिवार के साथ पूरा न्याय होगा। इसमें किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।' उल्लेखनीय है कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सीलमपुर के जे-ब्लॉक में 17 वर्षीय एक किशोर की गुरुवार शाम चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान उसी इलाके के कुणाल के रूप में हुई है। नाबालिग लड़के पर गुरुवार शाम करीब 7:38 बजे हमला हुआ था।

वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल को सीएसआर के तहत मिले महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेशनल हेराल्ड मामले में जनता के पैसे के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कांग्रेस के अकबर रोड कार्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा की शहर इकाई के कार्यकर्ता मान सिंह रोड पर एकत्र हुए, जहां पुलिस ने उन्हें रोक दिया। सचदेवा ने कहा, 'मामला 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का कम मूल्यांकन करने से जुड़ा है, जिसे 50 लाख रुपये में मां ने अपने बेटे को सौंप दिया।' प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में धनशोधन के आरोप में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं के अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। कांग्रेस ने आरोपपत्र को प्रतिशोध की राजनीति बताया है। सचदेवा ने पूछा कि अगर सोनिया गांधी और राहुल गांधी को लगता है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है तो उन्होंने जमानत के लिए आवेदन क्यों किया। उन्होंने कहा, 'इसके बजाय उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए थी और खुद को सही साबित करना चाहिए था।÷उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला ÷साजिश, भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का मामला है जिसके लिए कांग्रेस नेता जवाबदेह हैं।' सचदेवा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा चुराए गए सार्वजनिक धन का एक-एक पैसा वसूला जाएगा।

सीलमपुर हत्याकांड : शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर आप और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में 17 वर्षीय किशोर की चाकू घोंपकर हत्या किए जाने की घटना के बाद शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल आम आदमी पार्टी (आप) के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। दोनों पक्षों ने दिल्ली में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। न्यू सीलमपुर के जे ब्लॉक इलाके में बृहस्पतिवार को किशोर की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और 'आप' की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भाजपा नीत केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। आतिशी ने 'एक्स' पर लिखा, ''सीलमपुर में 17 वर्षीय युवक की हत्या दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था का एक और उदाहरण है।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली पुलिस क्या कर रही है? गृह मंत्री अमित शाह क्या कर रहे हैं? डबल इंजन सरकार क्या कर रही है?'' मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि युवक के परिवार को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, ''मैंने पुलिस आयुक्त से बात की है। पुलिस हरसंभव प्रयास कर रही है और मुझे उम्मीद है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि युवक के परिवार को न्याय मिले।'' विपक्ष के आरोप का जवाब देते हुए उत्तर पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने हत्या की घटना की निंदा की और कहा कि कानून प्रवर्तक मामले को गंभीरता से ले रहे हैं साथ ही उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि त्वरित कार्रवाई की जाएगी। तिवारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सीलमपुर में कुणाल नामक 17 वर्षीय दलित युवक की हत्या की घटना बेहद चिंताजनक है। इलाके के लोगों में गुस्सा स्वाभाविक है।'' उन्होंने कहा, ''मैं कल रात से ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हूं। अधिकतर अपराधियों की पहचान कर ली गई है और गहन जांच की जा रही है।'' तिवारी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने लोगों से शांति की अपील भी की। उन्होंने कहा, ''यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि पुलिस कार्रवाई में बाधा न आए।''

प्रदूषण से निपटने और यमुना की सफाई को लेकर दिल्ली सरकार का प्लाहन तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार मानसून के समय राष्ट्रीय राजधानी को जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर स्वचालित पंप लगाने और कर्मचारियों को तैनात करने सहित हरसंभव प्रयास कर रही है। मानसून की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सीएम रेखा ने जलभराव वाले मिंटो ब्रिज अंडरपास का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, ''भारी बारिश के दौरान जलनिकासी के लिए यहां स्वचालित पंप लगाए गए हैं और 2.5 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। कर्मचारी भी हर समय ड्यूटी पर रहेंगे।' संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है और सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध तरीके से हर कदम उठाएगी कि इस साल जलभराव न हो। प्रवेश वर्मा ने कहा, ''पिछले साल, यातायात पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में 194 जलभराव वाले स्थानों की पहचान की थी। इनमें से अधिकांश पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर हैं। इन जगहों पर नालों की सफाई, ज्यादा पंप लगाने और जरूरत पड़ने पर कर्मचारी तैनात करने जैसे कई उपाय किये जा रहे हैं।' गुप्ता ने विश्व स्वास्थ्य संगठन भवन के पास रिंग रोड सहित अन्य प्रमुख जलभराव वाले स्थलों पर मानसून की तैयारियों का भी निरीक्षण किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन भवन के पास वाली जगह कई वर्षों से जलभराव वाले शीर्ष 10 स्थानों में से एक है। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने बिजली और पीडब्ल्यूडी सहित कई विभागों के साथ बैठक की। प्रवेश वर्मा ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने जलभराव, यातायात जाम और अंधेरे वाले स्थानों के मुद्दों पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) सहित सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक की तथा सभी को निर्धारित समयसीमा के अनुसार काम पूरा करने का निर्देश दिया।' योजना के अनुसार जिन स्थानों पर एक नए नाले का निर्माण जैसे दीर्घकालिक उपाय किए जा रहे हैं, वहां अतिरिक्त पंप लगाए जाएंगे ताकि बारिश के पानी को निकाला जा सके।

'डंकी रूट' के जरिये अमेरिका में अवैध प्रवेश कराने में शामिल होने के आरोप में एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने पंजाब के 36 वर्षीय एक एजेंट को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर यात्रा दस्तावेजों में जालसाजी करने और 'डंकी रूट' के जरिये अमेरिका में अवैध प्रवेश कराने में संलिप्त था। यह जानकारी एक अधिकारी ने शुक्रवार को दी।

'डंकी रूट' ऐसे रास्तों को कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल प्रवासी बिना उचित दस्तावेज के अमेरिका जैसे देशों में प्रवेश करने के लिए करते हैं। उनकी जोखिम भरी और कठिन यात्रा आमतौर पर मानव तस्करी सिंडिकेट द्वारा सुगम बनाई जाती है।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान पंजाब के पटियाला के मटौली गांव निवासी नरेश कुमार के रूप में हुई है और उसे अमेरिका से एक भारतीय यात्री को वापस भेजे जाने के बाद गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि कुमार ने कथित तौर पर अन्य एजेंट के साथ मिलकर फर्जी 'शेंगेन वीजा' का प्रबंध किया था और बाद में जालसाजी को छिपाने के लिए यात्री के पासपोर्ट के साथ छेड़छाड़ की थी।

यह मामला चार और पांच अप्रैल की दरमियानी रात को तब प्रकाश में आया जब गुरसाहिब सिंह (39) अमेरिका से आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा। उसे अमेरिका से वापस भेज दिया गया था। उसके यात्रा दस्तावेजों की जांच के दौरान आव्रजन अधिकारियों ने उसके पासपोर्ट के एक पन्ने पर गोंद के निशान देखे, जिससे छेड़छाड़ का संकेत मिला।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंजाब के तरनतारन जिले के निवासी सिंह पर बाद में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि सिंह को गिरफ्तार करके पूछताछ की गई, जिसके दौरान उसने इस बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सिंह ने खुलासा किया कि 2024 में सिंगापुर से भारत लौटने के बाद वह गुरदेव सिंह उर्फ 'गुर्री' नामक एक एजेंट के संपर्क में आया, जिसने 20 लाख रुपये के बदले उसे अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने में मदद करने का वादा किया। सिंह ने 17 लाख रुपये नकद दिये और शेष तीन लाख रुपये एक बैंक खाते में ट्रांसफर किए, जो बाद में नरेश कुमार का निकला।

पुलिस ने बताया कि साजिश के अनुसार, सिंह को ब्रिटेन, स्पेन, ग्वाटेमाला, मैक्सिको और अंत में तिजुआना सहित कई देशों से होकर भेजा गया, जहां से वह 'डंकी रूट' के जरिये अवैध रूप से अमेरिका में घुस गया। पुलिस के अनुसार अमेरिका में प्रवेश करने से पहले, एजेंट के एक सहयोगी ने जाली शेंगेन वीजा हासिल किया और उसे सिंह के पासपोर्ट पर चिपका दिया, जिसमें बाद में नकली वीजा को छिपाने के लिए छेड़छाड़ की गई।

पुलिस के अनुसार, हालांकि सिंह को अमेरिकी अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया और तीन महीने हिरासत में रखने के बाद उसे भारत भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार उसके आने पर जांच शुरू हुई और कुमार की गिरफ्तारी हुई। अधिकारी ने कहा, ''लगातार पूछताछ के दौरान नरेश कुमार ने जालसाजी में अपनी भूमिका कबूल की और खुलासा किया कि वह और उसका भाई कई सालों से ट्रैवल एजेंट के तौर पर काम कर रहे थे।''

उन्होंने कहा, ''उसने कमीशन के आधार पर गुरदेव सिंह के साथ मिलकर काम करने की बात स्वीकार की और यात्री से तीन लाख रुपये प्राप्त करने की पुष्टि की।'' उन्होंने कहा कि गुरदेव सिंह का पता लगाने के प्रयास जारी हैं, जो अब भी फरार है। उन्होंने कहा कि जांचकर्ता कुमार के बैंक खातों और इसी तरह के मामलों में उसके संभावित संबंधों की भी जांच कर रहे हैं।

61 साल की उम्र में पहली बार विवाह करेंगे भाजपा नेता दिलीप घोष

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष अब जल्द ही दांपत्य जीवन में कदम रखने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक वह कोलकाता स्थित अपने आवास पर एक सादे समारोह में शादी करेंगे। रिंकू मजूमदार उनकी दुल्हनिया बनने जा रही हैं। वह भी भाजपा की सदस्य हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह शादी दिलीप घोष के लिए निजी जीवन में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि वह अब तक अविवाहित रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिंकू ने ही पहले शादी का प्रस्ताव दिया था, खासकर तब जब दिलीप घोष को पिछली लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।शादी सादे और पारिवारिक माहौल में आयोजित की जा रही है जिसमें केवल करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। किसी भी तरह का भव्य आयोजन फिलहाल नहीं रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिंकू न्यूटाउन में भाजपा महिला मोर्चा की नेता हैं। दिलीप घोष ही उन्हें पार्टी में लेकर आये थे। यह भी पता चला है कि दिलीप घोष अपनी मां के कहने पर शादी के लिए राजी हो गए हैं। कुछ दिन पहले दिलीप घोष ईडन गार्डन्स में आईपीएल मैच देखने गए थे। तभी इसकी पुष्टि हो गई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिंकू ने खुद दिलीप घोष की मां पुष्पलता घोष से बात की और उन्हें शादी के लिए राजी किया।

कौन हैं घोष की दुल्हनिया

रिंकू मजूमदार तलाकशुदा हैं और एक बेटे की मां हैं। उनका बेटा अब वयस्क हो चुका है और कोलकाता के सॉल्ट लेक के सेक्टर में एक आईटी कंपनी में कार्यरत है। रिंकू को हाल ही में 3 अप्रैल को ईडन गार्डन में भी देखा गया था, जिससे इस नए रिश्ते की अटकलें और तेज हो गई थीं। यह शादी दिलीप घोष के निजी जीवन में नया अध्याय तो खोल ही रही है, साथ ही राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गई है।

विदेशी महिला को छेड़ने के मामले में जेएनयू के प्रोफेसर बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेएनयू यानी जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी ने एक प्रोफेसर को विदेशी महिला से छेड़छाड़ के मामले में बर्खास्त कर दिया है। आरोपी प्रोफेसर सेंटर फॉर इंटरनैशनल स्टडीज के सेंटर फॉर इंटरनैशनल पॉलिटिक्स, ऑर्गनाइजेशन एंड डिसआर्मामेंट में कार्यरत था। उनके खिलाफ भारतीय दूतावास से शिकायत भेजी गई थी। जेएनयू की वाइस चांसलर शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने कहा कि यह निर्णय दर्शाता है कि भष्ट्राचार और शारीरिक शोषण के खिलाफ जेएनयू में जीरो टॉलरेंस नीति है। पहली बार स्टूडेंट्स को आईसीसी में प्रतिनिधित्व दिया गया। यह कदम जेएनयू की लोकतांत्रिक संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में एक कदम है। जानकारी के अनुसार लंबी जांच के बाद यूनिवर्सिटी की कार्यकारी परिषद ने उनकी बर्खास्तगी की सिफारिश की है। बुधवार को हुई बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया। दूसरी ओर भ्रष्टाचार के मामले में एक प्रोफेसर और दो सेक्शन अफसरों पर भी कार्रवाई हुई है। जेएनयू के अनुसार कुछ महीने पहले एक बैठक में शामिल होने के लिए जापानी स्कॉलर आई थी। आरोप है कि इसी बैठक में प्रोफेसर ने स्कॉलर से छेड़छाड़ की। इसके बाद जापानी स्कॉलर अपने देश लौट गई और वहां उसने शिकायत दर्ज करवाई। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जापानी दूतावास ने भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय को इसकी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने शिक्षा मंत्रालय को जांच के निर्देश दिए। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू को जांच के आदेश दिए। जेएनयू ने इंटरनल कंप्लेंट कमिटी (आईसीसी) ने इस मामले की जांच की।

हिमाचल प्रदेश में तूफान से तबाही, कई घरों की छतें उड़ीं...रातभर गुल रही बिजली

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में आधी रात को तूफान ने तबाही मचा दी है। 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चले तूफान से कई घरों की छते उड़ गई। कई जगह पेड़ उखड़ गए। तूफान से बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हुई। इससे आंधी रात को आधे हिमाचल में ब्लैक आउट हो गया है। राजधानी शिमला शहर सहित कांगड़ा, बड़सर, सुजानपुर, ऊना और चंबा के सैकड़ों गांव व घर बीती रात से सुबह 10 बजे तक अंधेरे में डूबे रहे। कई ग्रामीण इलाकों में दोपहर 12 बजे भी बिजली नहीं आई। शिमला के ठियोग, मंडी के सराज, आनी, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन में कई घरों की छत उड़ गई। प्रदेश में जगह जगह तूफान के बाद पेड़ जड़ से ही उखड़ गए। इससे कई सड़कें भी यातायात के लिए बंद हो गई। प्रदेश में तूफान से काफी नुकसान हुआ है। इससे मैदानी इलाकों में गेहूं फसल भी तबाह हुई है। शिमला, कुल्लू, चंबा जिला में सेब की फसल को नुकसान हुआ है। इन जिलों में सेब के पौधे जड़ से ही उखड़ गए।

अगले 4 दिन बारिश-ओलावृष्टि की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस अगले 4 दिन तक सक्रिय रहेगा। 18 और 19 अप्रैल को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और लाहौल स्पीति जिला में कुछेक स्थानों पर भारी बारिश व ओलावृष्टि हो सकती है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तूफान चलने की भी चेतावनी दी गई है।

राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी, तेलंगाना में 15 दिनों तक लू की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में इनदिनों भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इसमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान है। मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी अपने शाबव पर है। प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी तापमान बढ़ सकता है। उधर, तेलंगाना के 28 जिलों में करीब 15 दिनों तक लू की आशंका है। यह देखकर कांग्रेस सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। तेलंगाना

रॉ के पूर्व चीफ नई किताब पर महबूबा ने दी प्रतिक्रिया, उमर हुए आग बबूला

बोले-क्या दुलत की पिछली किताब में लिखी गई बातें भी सच हैं?

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व चीफ एएस दुलत फिर चर्चा में आ गए हैं। उनकी नई किताब द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस किताब में दुलत ने फारूक अब्दुल्ला को लेकर बड़ा दावा किया है जिस पर महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया दी जिस पर जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला भड़क गए। उमर ने दो टूक कह कहा कि इस तरह तो क्या दुलत की पिछली किताब में महबूबा के पिता के बारे में लिखी गई बातें भी सच हैं?

उमर अब्दुल्ला ने यह नहीं बताया कि एएस दुलत ने अपनी पिछली किताब में महबूबा मुफ्ती के पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के बारे में क्या लिखा था, लेकिन यह साफ है कि उमर यहां दुलत की 2015 में पब्लिश किताब कश्मीर-द वाजपेयी ईयर्स की बात कर रहे हैं। दुलत की यह किताब 1990 के दशक में रॉ के चीफ और आईबी के विशेष निदेशक के तौर पर उनके अनुभवों पर आधारित है। किताब में वाजपेयी सरकार के दौरान कश्मीर में शांति स्थापित करने की कोशिशों, भारत-पाकिस्तान शांति पहल, कश्मीर में भारत सरकार की नीतियों, अलगाववादी आंदोलनों और खुफिया ऑपरेशन को लेकर कई दावे किए गए। इस किताब में दुलत ने दावा किया है कि 2014 के लोकसभा चुनावों में मुफ्ती मोहम्मद सईद ने उनसे कहा था कि पाकिस्तान ने कश्मीर में सभी को अपने प्रभाव में ले लिया है। वे सभी को वित्तीय मदद दे रहे हैं। उन्होंने हमसे भी संपर्क किया है। दुलत ने किताब में दावा किया है कि अलगाववादी नेता सईद अली शाह गिलानी और मुफ्ती मोहम्मद सईद के बीच करीबी रिश्ता था। उनके मुताबिक गिलानी ने मुफ्ती को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) बनाने में मदद की थी। इसके अलावा किताब में 1989 में मुफ्ती सईद की बेटी रुबिया सईद के अपहरण का भी जिक्र है। किताब में कहा गया है कि उस समय मुफ्ती सईद केंद्र सरकार में गृहमंत्री थे और जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट ने रुबिया का अपहरण कर लिया था और उसे छोड़ने के बदले पांच आतंकियों की रिहाई की मांग की थी। दुलत ने किताब में दावा किया है कि उस समय फारूक अब्दुल्ला ने इसका विरोध किया था लेकिन चूंकि सईद केंद्र सरकार में गृहमंत्री थे ने आतंकियों को रिहा कर दिया था। यह फैसला कश्मीर में आतंक को बढ़ावा देने वाला साबित हुआ।पूर्व रॉ चीफ दुलत ने अपनी नई किताब में दावा किया है कि जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने 2019 में धारा 370 को हटाने के केंद्र के फैसले को निजी तौर पर समर्थन किया था, जबकि सार्वजनिक रूप से उन्होंने इसे कश्मीर के साथ धोखा बताया था। किताब के मुताबिक फारूक ने दुलत से कहा था कि हम मदद कर सकते थे, लेकिन हमें यकीन में क्यों नहीं लिया गया? दुलत ने अपनी किताब में यह भी दावा किया कि फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ने 370 हटाने से कुछ दिन पहले पीएम मोदी से मुलाकात की थी, लेकिन क्या बात हुई इस बारे में किसी को जानकारी नहीं है। इस पर फारूक ने कहा था कि 370 के हटाए जाने से पहले वह, उमर और सांसद हसनैन मसूदी, पीएम मोदी से मिले थे और कश्मीर घाटी में बढ़ती फौज की तैनाती पर सवाल पूछा था, लेकिन पीएम मोदी ने कोई जवाब नहीं दिया था। अगर उन्हें 370 के बारे में जानकारी होती, तो वे उसी वक्त अलार्म बजा देते। इस पर महबूबा मुफ्ती ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

दिल्ली की गर्मी से परेशान आतंकी राणा, एनआईए अधिकारियों से पूछा कितनी होगी सजा

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई अटैक के मास्टरमाइंड में से एक आंतकी तहव्वुर हुसैन राणा एनआईए पूछताछ के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में चिंतित है। आंतकी राणा अधिकारियों से यूएपीए सहित उसके उपर लगी अन्य तमाम

धाराओं के बारे में पूछा है कि इसमें अधिकतम सजा कितनी हो सकती है। आंतकी को बताया गया कि उसके खिलाफ आईपीसी और यूएपीए की कई धाराओं में मामला दर्ज है। अगर उसके उपर दोष सिद्ध होते हैं, तब आंतकी राणा को उम्रकैद से लेकर फांसी तक की सजा हो सकती है। 10 अप्रैल को भारत लाए गए राणा के मामले में सूत्रों ने बताया कि वैसे एनआईए की पूछताछ में अभी तक उसने कोई टॉर्चर करने या अन्य किसी तरह की कोई शिकायत नहीं की है। लेकिन राणा ने दिल्ली की गर्मी से परेशान होने वाली बात जरूर की है। आंतकी राणा ने एनआईए को बताया कि यहां गर्मी अधिक है। हालांकि आंतकी राणा को सेंट्रलाइड एसी बिल्डिंग में रखा गया है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका के मुकाबले यहां गर्मी अधिक लग रही है। सूत्रों ने बताया कि उसने अपनी फैमिली से बात करने की इच्छा जाहिर की है। जिसके जवाब में एनआईए अधिकारियों ने कहा है कि यह बातचीत कोर्ट के माध्यम से हो सकेगी। वह कनाडा में रह रहे अपने छोटे भाई से बात करना चाहता है।

21 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे अमेरिका के उपराष्ट्रपति, ताज का करेंगे दीदार

-पीएम मोदी और वेंस की आमेर महल में हो सकती है मुलाकात

जयपुर (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस 21 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे हैं वह दो दिन जयपुर में रहेंगे। पिंकसिटी के दौरे में वेंस अपने परिवार के साथ आमेर महल और जंतर-मंतर जैसे हेरिटेज साइट्स का भ्रमण करेंगे। व्हाइट हाउस ने वेंस के जयपुर दौरे की दो दिन पहले पुष्टि की थी। जयपुर के बाद वेंस का आगरा जाने का भी कार्यक्रम है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के के हवाले से बताया गया है कि वेंस के साथ पीएम नरेंद्र मोदी भी जयपुर आ सकते हैं। जेडी वेंस के दौरे को लेकर जयपुर में एक सप्ताह से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। अमेरिकी सेना के भी दो बड़े विमान यहां पहुंचे थे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस अमेरिका एयरफोर्स के विमान से 21 अप्रैल को रात 9.30 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद रात 10 बजे होटल रामबाग पैलेस पहुंचेंगे। यहां वह रिसेप्शन में हिस्सा लेंगे। वेंस अपने परिवार के साथ रामबाग पैलेस में ही स्टे करेंगे। मंगलवार सुबह 9 बजे जेडी वेंस अपने परिवार के साथ जयपुर के ऐतिहासिक आमेर महल को देखने पहुंचेंगे। इस दौरान वेंस सुबह 11.30 मिनट करीब ढाई घंटे तक आमेर महल का दीदार करेंगे। इसके बाद वेंस सिटी पैलेस और जंतर-मंतर का विजिट भी कर सकते हैं। दुनिया के टॉप लग्जरी होटल में शुमार रामबाग पैलेस में अमेरिकी उपराष्ट्रपति का दो दिन स्टे होगा। करीब 190 साल पुरानी यह प्रॉपर्टी जयपुर के पूर्व राजपरिवार से संबंध रखती है। अपने आखिरी दिनों में पूर्व महारानी गायत्री देवी भी रामबाग पैलेस में मौजूद लिलिपूल पैलेस में रहती थीं। सोमवार शाम 5 बजे से मंगलवार दोपहर 12 बजे तक आमेर महल आम सैलानियों के लिए बंद रहेगा। इस दौरान महल में संचालित एलिफेंट राइड भी अस्थायी रूप से बंद रखी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट में ऐसी संभावना जताई जा रही है कि पीएम मोदी भी 22 अप्रैल को जयपुर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस से मुलाकात कर सकते हैं। पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर फिलहाल आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है। इसके बाद 23 अप्रैल को वेंस सुबह 9 बजे जयपुर एयरपोर्ट से अमेरिकी एयरफोर्स के स्पेशल विमान में आगरा के लिए रवाना होंगे। यहां ताजमहल का दीदार करेंगे।

मौसम का हाल: एक दर्जन राज्यों में बारिश का अलर्ट, तेज आंधी और ओले गिरने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के आधे राज्यों से भीषण गर्मी और लू की खबरें आ रहीं हैं। इसी बीच मौसम विभाग 12 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई राज्यों में तेज बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी भारत, दक्षिणी प्रायद्वीप और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में मौसमी गतिविधियों में भारी उतार-चढ़ाव की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, विभिन्न हिस्सों में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण और ट्रफ लाइनों के चलते अगले कुछ दिन मौसम काफी अस्थिर रहने वाला है।

यूपी में एक बार फिर मौसम करवट लेगा। कई जिलों में आंधी रफ्तार देखने को मिलेगी। 18 अप्रैल से तीन दिनों तक बारिश की संभावना जताई गई है। पांच जिलों में ओलावृष्टि को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार जौनपुर, प्रतापगढ़, अमेठी, आजमगढ़ सुल्तानपुर, आंबेडकरनगर, अयोध्या, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोंडा, बाराबंकी में 40 से 60 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। इसके अलावा इन जिलों में तीन दिन तक बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है। पांच जिलों में ओलावृष्टि की भी संभावना

जताई गई है। इसके चलते दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि 18 से 23 अप्रैल तक असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में तेज बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में भारी वर्षा की संभावना है। बिहार में भी 18 अप्रैल को 50-70 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी है।

दक्षिण भारत की बात करें तो केरल और माहे में अगले 7 दिनों तक बिजली के साथ बारिश का पूर्वानुमान है। उत्तरी कर्नाटक में तेज तूफान के साथ हवा की रफ्तार 70 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 18 और 19 अप्रैल को ओलावृष्टि और तेज हवाओं की संभावना है। राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में 18-19 अप्रैल को धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है।राजस्थान के कुछ हिस्सों में 18 अप्रैल को हीटवेव की स्थिति बने रहने की संभावना है। मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में 18 से 21 अप्रैल तक गर्म और उमस भरा मौसम बना रह सकता है। गुजरात में अगले 3 दिनों में तापमान में गिरावट और फिर धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो सकती है।

उत्तराखंड में खराब रहेगा मौसम

उत्तराखंड में राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से खराब मौसम को देखते हुए आने वाले तीन दिनों में प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान अधिकारियों को सावधानी बरतने की नसीहत दी गयी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी पत्र के अनुसार भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से आगामी 18 से 20 अप्रैल तक खराब मौसम की चेतावनी जारी की गयी है। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों में ओलावृष्टि, तेज हवाओं के साथ बरसात का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इस दौरान तराई से लेकर पहाड़ों में ओलावृष्टि के साथ ही 30 से 70 किमी प्रति घंटा तेज हवाओं के चलने की आशंका व्यक्त की गयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसों पर जताई चिंता, पीड़ित को मिले फौरी सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सड़क हादसों के पीड़ितों को तुरंत मदद देने के लिए फौरी प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सड़क हादसों को सार्वजनिक महत्व का गंभीर विषय बताया और चिंता व्यक्त की कि दुर्घटना के शिकार लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाया गया यह अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन कई मामलों में पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाती है। याचिकाकर्ता ने छह प्रोटोकॉल सुझाए थे, लेकिन कोर्ट ने इस चरण में कोई अनिवार्य आदेश जारी करने से परहेज किया।

हालांकि, तत्काल कार्रवाई की जरूरत को दोहराया। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छह महीने के अंदर ऐसे प्रोटोकॉल तैयार करने और लागू करने का निर्देश दिया है। संबंधित सरकारों को तय समयसीमा में अपना जवाब रिकॉर्ड पर पेश करना होगा।

सड़क सुरक्षा से जुड़े एक अन्य निर्देश में कोर्ट ने परिवहन वाहनों के चालकों की वर्किंग स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया है। मोटर अधिनियम के अंतर्गत ड्राइवरों के लिए रोज 8 घंटे और प्रति सप्ताह 48 घंटे काम का समय तय है। कोर्ट ने इन प्रावधानों के क्रियान्वयन पर चिंता जताई और कहा कि इनका उल्लंघन भी दुर्घटनाओं का कारण बनता है। इसके समाधान के लिए कोर्ट ने केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संबंधित विभागों के साथ बैठक कर प्रभावी कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि जब तक उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक प्रावधानों पर विचार नहीं किया जाएगा, तब तक इन नियमों का सही क्रियान्वयन नहीं हो सकेगा। राज्य सरकारों को अगस्त के आखिर तक अमल रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपनी होगी। इसके बाद मंत्रालय समग्र रिपोर्ट बनाकर सुप्रीम कोर्ट को प्रस्तुत करेगा।

मराठी राज्य की भाषा है, सबसे पहले मराठी को अनिवार्य बनाएं: राउत

-महाराष्ट्र में स्कूलों में हिंदी अनिवार्य करने को लेकर भड़के यूबीटी सांसद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के तहत कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कर दी है। इस फैसले ने भाषा पर बहस को फिर से हवा दे दी है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बाद शिवसेना-यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसका विरोध किया है। राउत ने कहा कि मराठी राज्य की भाषा है और यहां हिंदी पढ़ाने की कोई जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि फडणवीस भाषा की राजनीति करना चाहते हैं। मराठी राज्य की भाषा है। सबसे पहले मराठी को अनिवार्य बनाएं। रोजगार, उद्योग और वाणिज्य में मराठी भाषा का सम्मान किया जाना चाहिए।

राउत ने सीएम फडणवीस पर भाषा का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने तर्क दिया कि हिंदी फिल्म उद्योग मुंबई में केंद्रित है। उन्होंने कहा कि हम सभी हिंदी गाने गाते हैं और हिंदी फिल्में देखते हैं। फिर भी आप हमें हिंदी थोपने और सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश या पूर्वोत्तर जैसे राज्यों को हिंदी की जरूरत है। वहां हिंदी को अनिवार्य बनाएं। महाराष्ट्र में सबसे पहले मराठी बोली जानी चाहिए।

उन्होंने बीजेपी नेताओं पर मराठी भाषा की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राउत ने पूछा कि घाटकोपर की भाषा गुजराती है, यह कहने वाले बीजेपी नेता खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? मराठी को महाराष्ट्र के हर स्कूल में अनिवार्य किया जाना चाहिए, न कि केवल कागजों पर। इसे जमीनी स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। राउत ने आगे कहा कि हिंदी को पूरे देश में पसंद किया जाता है और बोला जाता है, लेकिन इसे स्कूली पाठ्यक्रम में नहीं थोपा जाना चाहिए।

महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को कथित तौर पर थोपे जाने का विवाद फडणवीस सरकार के उस फैसले से उपजा है, जिसमें उसने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से शुरू होने वाले चरणों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने का फैसला किया है। नीति के तहत, सरकार मराठी और अंग्रेजी माध्यम दोनों स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाएगी।

तेजस्वी के सीएम बनने में कांग्रेस नहीं खोल रही पत्ते, लालू का सपना कहीं टूट ना जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मी के बीच महागठबंधन में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। तेजस्वी यादव की अगुवाई में गठबंधन ने कोआर्डिनेशन कमेटी बनाई है। सीट बंटवारे को लेकर भी आरजेडी और कांग्रेस में मतभेद हैं। कांग्रेस की रणनीति बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़ने की है, जबकि आरजेडी तेजस्वी यादव को सीएम चेहरा बनाना चाहती है। बिहार विधानसभा चुनाव की सियासी सरगर्मी बढ़ने के साथ-साथ राजनीतिक दलों के बीच शह-मात का खेल शुरू हो गया है। आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन की एक के बाद एक बैठक हो रही है, लेकिन सीएम चेहरे पर सस्पेंस बना हुआ है। दिल्ली के बाद पटना में हुई बैठक में महागठबंधन को पशुपति पारस के रूप में नया साथ मिल गया है, तो मुकेश सहनी मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं। महागठबंधन की पटना में गुरुवार को हुई बैठक में एक कोआर्डिनेशन कमेटी बनाने का फैसला किया। इस कमेटी के अध्यक्ष आरजेडी नेता तेजस्वी यादव होंगे। इस तरह से तेजस्वी यादव 2025 के चुनाव में महागठबंधन में लीड रोल में रहेंगे, लेकिन सीएम पद के चेहरे का सवाल जस का तस बना रहा। कांग्रेस तेजस्वी को सीएम का चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ना चाहती, जो उसकी रणनीति का हिस्सा नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में महागठबंधन की ढाई घंटे तक बैठक चली। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में हुई बैठक में एलजेपी (आर) के प्रमुख पशुपति पारस के महागठबंधन में शामिल होने का ऐलान किया गया। बैठक में यह तय हुआ कि महागठबंधन में तालमेल बिठाने के लिए एक कोआर्डिनेशन कमेटी गठित की जाएगी, जिसे लीड तेजस्वी यादव करेंगे और इस कमेटी में सभी दलों के सदस्य होंगे। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन एकता और स्पष्टता के साथ चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बिहार की जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगा। हालांकि, सीएम चेहरे के सवाल पर अल्लावरु गोल-मोल जवाब देते नजर आए और तेजस्वी के नाम पर मुहर नहीं लगाई। हां एक बात जरूर कही कि तेजस्वी यादव के अगुवाई में महागठबंधन चुनाव लड़ेगी। वहीं, सीएम फेस पर सहमति नहीं बनने के सवाल तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन में कोई चिंता नहीं है। चिंता एनडीए गठबंधन के लोगों को होनी चाहिए। मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर उन्होंने कहा कि एक ही दिन में सब कुछ घोषणा नहीं होगी, थोड़ा इंतजार का मजा लीजिए। इस दौरान उन्होंने यह भी दावा किया कि महागठबंधन के सभी दल एक साथ हैं और जो भी होगा, सब मिलकर साझा करेंगे। सीएम चेहरे पर सस्पेंस बनाए रखने की स्ट्रैटेजी के साथ कांग्रेस बिहार चुनाव लड़ना चाहती है, जिस तरह से 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने किसी को पीएम का चेहरा घोषित नहीं किया था। इस फॉर्मूले पर बिहार चुनाव में उतरने की कवायद है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव कह चुके हैं कि तेजस्वी यादव सीएम का चेहरा होंगे,तो तेजस्वी भी अपने नाम का ऐलान कर चुके हैं। इसके बाद भी कांग्रेस तेजस्वी को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ना चाहती। कांग्रेस का तर्क है कि तेजस्वी यादव को सीएम का चेहरा घोषित कर महागठबंधन चुनावी मैदान में उतरी, तो उससे सियासी समीकरण गड़बड़ा सकता है। तेजस्वी के नाम पर यादव को छोड़कर, दलित अन्य पिछड़ी जातियां और सवर्ण समाज का वोट नहीं मिल पाएगा। ये बात राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने सीधे तौर पर दिल्ली बैठक में तेजस्वी यादव को बता दी। हां, ये जरूर आश्वासन दिया कि अगर बिहार में सरकार बनाने का मौका हाथ आता है, तो तेजस्वी यादव को सीएम बनाया जा सकता, लेकिन चुनाव में उनके नाम की घोषणा कर लड़ना जोखिम भरा कदम हो सकता है। महागठबंधन अगर तेजस्वी यादव को आगे कर चुनावी मैदान में उतरी है, तो सवर्ण जाति के वोटों के छिटकने का ज्यादा खतरा कांग्रेस को लग रहा। इसीलिए कांग्रेस बिहार में 2024 के लोकसभा चुनाव वाले फार्मूले पर लड़ने की तैयारी में है। इंडिया गठबंधन ने 2024 में पीएम पद का चेहरा घोषित करके चुनाव नहीं लड़ा था। इंडिया गठबंधन ने एक ज्वाइंट कमेटी जरूर बनाई थी, उसी तर्ज पर बिहार में कोआर्डिनेशन कमेटी बनाई जा रही है। कांग्रेस की रणनीति है

कि बिना सीएम चेहरे के उतरने से किसी समाज के वोट छिटकने का खतरा नहीं होगा। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस तेजस्वी को सीएम चेहरे की बात नहीं कर रही, ऐसे में कांग्रेस ने रणनीति बनाई है कि चुनाव के बाद जो पार्टी सबसे बड़ी बनकर उभरेगी, वही पार्टी नेता तय करेगी, जिस तरह लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। उसी तरह बिहार में महागठबंधन की सत्ता में वापसी होती है और आरजेडी अगर सबसे बड़ी पार्टी बनती है तो तेजस्वी यादव को सीएम बनाया जा सकता है। कांग्रेस के फॉर्मूले पर तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी आरजेडी ने अपनी फाइनल स्वीकृति नहीं दी है, लेकिन तेजस्वी ने जिस तरह से कहा कि महागठबंधन में कन्फ्यूजन नहीं है। इससे जाहिर होता है कि आरजेडी वेट एंड वॉच के मूड में है और कांग्रेस के फार्मूले पर मंथन कर रही है। वहीं, कांग्रेस नेतृत्व सीएम के नाम पर आधिकारिक घोषणा से पहले सभी गठबंधन सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर स्पष्टता जैसी औपचारिकताओं को पूरा कर लेना चाहता है।

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथामः

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खीः मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथामः

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथामः

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथामः

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड्रीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब

यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक काचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवें। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पतियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर

बॉलीवुड में एक नई जोड़ी दर्शकों के सामने आने को तैयार है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगे। 'राजी' और 'तालवर' जैसी यादगार फिल्में देने वाली मेघना अब जंगली पिक्चर्स के साथ तीसरी बार फिल्म बनाने जा रही हैं। 'दायरा' एक क्राइम ड्रामा है। फिल्म के एलान के बाद फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है।

करीना कपूर ने किया नई फिल्म का एलान

करीना ने इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा निर्देशक के निर्देश पर काम करने वाली अभिनेत्री रही हूं। इस बार मेघना गुलजार जैसे शानदार निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास है। पृथ्वीराज के अभिनय की मैं कायल हूं। उनके साथ यह सफर और रोमांचक होगा। 'दायरा' मेरी ड्रीम टीम का प्रोजेक्ट है। 'दायरा' की कहानी मेघना गुलजार, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। फिल्म अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट और मेघना का नाम पहले ही इसे चर्चा में ला चुका है। करीना का बेबाक अंदाज और पृथ्वीराज की गंभीर अदाकारी इस फिल्म को खास बनाने का दम रखती है। मेघना की फिल्में हमेशा दिल को छूती हैं और फैंस को 'दायरा' से भी ऐसी ही उम्मीद है।

सिंघम अगेन में दिखी थीं करीना

करीना कपूर को पर्दे पर आखिरी बार सिंघम रिटर्न्स में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन समेत कई बड़े सितारे नजर आए थे। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

'द फैमिली मैन' के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट

चाहें एक इंटेलिजेंस ऑफिसर की पत्नी का किरदार हो, चाहें पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी का। अभिनेत्री प्रियामणि हर किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं और उसे अच्छे से निभाती हैं। प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी के रूप में राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार के लिए काफी प्रशंसा भी मिली। साथ ही आईफा 2025 में भी प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार किरदार के लिए सहायक अभिनेत्री की कैटेगरी में नॉमिनेशन भी मिला। इस मौके पर प्रियामणि ने अमर उजाला से खास बातचीत में 'आर्टिकल 370' के अपने किरदार और 'द फैमिली मैन सीजन 3' के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियामणि ने आईफा में नॉमिनेशन मिलने और 'आर्टिकल 370' के अपने राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार को मिली प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म के लिए आईफा में नॉमिनेशन मिलना काफी उत्साहित करने वाला है। इंडस्ट्री से लेकर आम जनता तक हर किसी ने किरदार को पसंद किया और उसकी तारीफ की। इंडस्ट्री में भी लोगों से प्रशंसा मिली। जिस तरह से मैंने किरदार को निभाया, उसे लोगों ने काफी पसंद किया। इंडस्ट्री से इतर कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि मैं वाकई में पीएमओ में काम करने वाली लग रही थी। मैंने इस तरह से किरदार को निभाया।'

इस बार और भी बेहतर होगा द फैमिली मैन का अगला सीजन

इस दौरान प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के अगले सीजन के बारे में भी बात की, साथ ही ये भी बताया कि सीजन 3 कब तक आएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'द फैमिली मैन का अगला सीजन बहुत ही जल्द आएगा। बस थोड़ा सा इंतजार और करिए।' हालांकि, उन्होंने इसको लेकर ज्यादा कुछ भी बोलने या जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने बस ये ही कहा कि सीरीज का यह सीजन पिछले दो सीजन से भी ज्यादा बेहतरीन और कमाल होने वाला है।

सुचित्रा तिवारी के किरदार में नजर आई हैं प्रियामणि

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में प्रियामणि ने उनके किरदार श्रीकांत तिवारी की पत्नी सुचित्रा तिवारी का किरदार निभाया था। सीरीज के पिछले दोनों सीजन में प्रियामणि के काम को काफी पसंद किया गया है। अब फैंस 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गोविंदा ही नहीं बिग बी के साथ भी काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस, इन हिंदी फिल्मों में किया काम

राम्या कृष्णन साउथ का जाना माना नाम हैं, लेकिन ये जानकार आपको हैरान होगी कि अभिनेत्री ने कई शानदार हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बाहुबली के दोनों भाग में शिवगामी देवी के रोल से उन्होंने चारों तरफ खूब वाहवाही प्राप्त की थी। अब राम्या सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में नजर आ रही हैं। जानिए अभिनेत्री की हिंदी फिल्मों के बारे में।

क्रिमिनल

नागार्जुन अक्किनेनी, मनीषा कोइराला और राम्या कृष्णन अभिनीत फिल्म क्रीमिनल का निर्देशन महेश भट्ट के द्वारा किया गया था। इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। तुम मिले दिल खिले जैसे गानों ने फिल्म को हिट करा दिया था।

बनारसी बाबू

डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म बनारसी बाबू में राम्या कृष्णन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ अपोजिट रोल में गोविंदा थे। साल 1997 में रिलीज हुई यह कॉमेडी फिल्म हिट रही थी।

बड़े मियां छोटे मियां

साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया था। फिल्म में कई दिग्गज कलाकार मौजूद थे। इसमें अमिताभ बच्चन के अपोजिट राम्या कृष्णन ने शानदार भूमिका निभाई थी। इन दोनों के अलावा फिल्म में गोविंदा और रवीना टंडन ने भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने सिनेमाघरों मे औसत प्रदर्शन किया था।

चाहत

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म चाहत साल 1996 में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म में पूजा भट्ट के अलावा राम्या कृष्णन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक- थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में इन कलाकारों के अलावा अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह ने भी शानदार अभिनय किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि राम्या कृष्णन की ये फिल्म फ्लॉप रही थी।

सामंथा ने इसलिए ठुकरा दी करोड़ों की डील हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए जबर्दस्त तैयारी

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार रहीं सामंथा रुथ प्रभु की साल 2012 में आई पहली हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' के 13 साल बाद उनके एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म में लीड हीरोइन के तौर पर बड़े परदे पर उतरने के आसार बनते दिख रहे हैं। इस फिल्म को करने से पहले सामंथा ने अपनी पर्सनल ब्रांडिंग के लिए खास रिसर्च कराई है और माना जा रहा है कि उनकी पर्सनल ब्रांडिंग हिंदी सिनेमा में एक 'केयरिंग' सुपरस्टार के तौर पर आने वाले दिनो में और मजबूत होने वाली है।

पहले 'फैमिली मैन 2' और फिर 'सिटाडेल- हनी बनी' में हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खूब पसंद गईं सामंथा की इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं होने वाली है। लेकिन, अगले साल के लिए सामंथा ने एक तो अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी की शूटिंग शुरू कर दी है, दूसरी फिल्म उनकी हिंदी सिनेमा के एक ऐसे प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बताई जा रही है, जो अरसे से साउथ सिनेमा के सितारों को हिंदी सिनेमा में लॉन्च करने की कोशिश में रहा है। जानकारी के मुताबिक सामंथा को हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लांच करने जा रही इस कंपनी ने साउथ के एक बड़े सितारे को लेकर एक द्विभाषी फिल्म कुछ साल पहले बनाई भी, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही। सामंथा के करीबी बताते हैं कि हिंदी पट्टी में बड़े परदे पर उतरने की तैयारी वह बीते तीन-चार साल से करती आ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने ऐसे किसी भी ब्रांड का विज्ञापन करने से मना किया जिसके चलते लोगों की सेहत पर खराब असर पड़े। सॉफ्ट ड्रिंक्स से लेकर सौंदर्य क्रीम तक के दर्जनों प्रस्ताव इस दौरान सामंथा को मिलते रहे हैं, लेकिन वह कहती हैं, मैंने अपनी युवावस्था में जो गलतियां कीं, मैं नहीं चाहती कि आज की युवतियां उन्हें दोहराएं। अब जब भी कोई सौंदर्य उत्पाद या सेहत से जुड़ा उत्पाद मेरे पास एंडोर्समेंट के लिए आता है तो सबसे पहले मैं अपने तीन डॉक्टरों के एक पैनल से सलाह लेती हूं। उसके बाद भी किसी ब्रांड के साथ अपना नाम जोड़ने का फैसला लेती हूं। अगर मैं गिनने बैठूं तो सिर्फ बीते एक साल में मैंने 15 बड़े ब्रांड को मना किया। जाहिर है इससे मुझे करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ, लेकिन मेरा मानना है एक लोकप्रिय सितारे को पैसे से ज्यादा अपने प्रशंसकों की सेहत को अहमियत देनी चाहिए। ज्यादा दिन नहीं हुए सब अभिनेता आर माधवन ने भी इसी तरह करोड़ों रुपये की एक डील एक पान मसाला कंपनी का प्रस्ताव ठुकराकर रद्द कर दी थी। माधवन का बेटा वेदांत अंतर्राष्ट्रीय तैराकी चैंपियन है और अपने बेटे के खेल प्रेम को देखते हुए ही माधवन ने ऐसे किसी भी ब्रांड का प्रमोशन न करने का फैसला किया है जो लोगों की सेहत पर विपरीत असर डाल सकता हो। सामंथा की कोशिश भी अपना पर्सनल ब्रांड माधवन की तरह का ही विकसित करने की है।

रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन...

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

रणबीर राम और साई पल्लवी बनेंगी माता सीता

'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर, सीता माता के किरदार के लिए साईं पल्लवी और रावण के किरदार के लिए केजीएफ स्टार यश का नाम फाइनल हो चुका है। जबकि सनी देओल के फिल्म में हनुमान जी का किरदार निभाने की चर्चाएं हैं।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' की फिलहाल शूटिंग चल रही है। फिल्म से अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होनी है। इसका पहला भाग साल 2026 में जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

एनिमल और मार्को से हिट 3की तुलना किए जाने पर नानी ने तोड़ी चुप्पी

हिट- द थर्ड केस के निर्माताओं ने 14 अप्रैल को ट्रेलर जारी किया, जिसमें अर्जुन सरकार के रूप में नानी को पेश किया गया। फिल्म के डार्क, खूनी और एक्शन सीन्स ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसे यूजर्स को अन्य फिल्मों के सीन्स याद आ गए। यूजर्स ने हिट 3के सीन्स की तुलना रणबीर कपूर की एनिमल, उन्नी मुकुंदन की मार्कोऔर किलसे की। हालांकि नानी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि हिट 3पूरी तरह से अलग जगह से संबंधित है। हैदराबाद में हिट 3के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अन्य फिल्मों से हिट 3की तुलना पर नानी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि हिट 3को एनिमल, किलया मार्कोके समान कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। यह एक अलग कहानी है, एक बार जब आप पूरी फिल्म देख लेंगे तो सब कुछ इतना स्वाभाविक लगेगा कि हिंसा बाहर नहीं आएगी।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673